घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 165- शुक्रवार 17 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

महिला आरक्षण और परिसीमन समेत तीन बिल पेश...मतदान कल....

नीयत में खोट को नारी शक्ति माफ नहीं करेगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2026। पीएम मोदी ने गुरुवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधनों पर कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा किया है। कभी माफी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसलिए जिनको भी इसमें राजनीति की बू आ रही है वो खुद के परिणामों को देख लें। इसी में फायदा है जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाओगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा...अब भारतीय जनता पार्टी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा वे उसके मान सम्मान को कैसे रखेंगे। बिलों पर चर्चा के लिए 15 घंटे का समय तय किया गया है। आज 4 बजे वोटिंग की जाएगी। संशोधन बिल में लोकसभा सांसदों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव है।

मैं क्रेडिट का ब्लैंक चेक दे रहा हूं : पीएम मोदी

यहां कुछ लोगों को लगता है, इसमें कहीं न कहीं मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा। अगर साथ चलेंगे तो किसी को भी नहीं होगा। फिर अलग पहलू हो जाता है। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए जैसे ही पारित हो जाए तो मैं एड देकर सबको धन्यवाद देने तैयार हूं। सबकी फोटो छपवा देंगे। ले लो जी क्रेडिट। सामने से क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं।

इस बिल को राजनीति के तराजू से न तौलें : पीएम बोले...

पीएम ने कहा कि मैं आग्रह करूंगा कि सर्वसम्मति से आगे बढ़ाएं। इससे ट्रेजरी पर भी दवाब रहता है। मैं इतना ही कहूंगा कि इसको राजनीति के तराजू से न तौलें। देश के इतने बड़े देश का आधा जिम्मा जो उठा रहे हैं उन्हें रोकना नहीं चाहिए। संख्या के संबंध में भी एकमत पहले से था, कि जो हैं उनका कम मत करो, ज्यादा कर दो। ताकि किसी को ऐसा न लगे कि मैं छूट गया।

कांग्रेस सांसद बोले...यह संविधान और संघीय सिद्धांतों के खिलाफ है...

महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, यह संविधान और संघीय सिद्धांतों के खिलाफ है। यह देश की एकता के भी खिलाफ है। वे ये प्रस्ताव केवल राजनीतिक लाभ उठाने के लिए लाए हैं। मोदी ने कहा- हमारे यहां परंपरा है किसी की नजर न लगे इसके लिए काला टीका लगाते हैं, इसलिए मैं आपका (डीएमके) धन्यवाद करता हूं। दरअसल, पीएम ने डीएमके का नाम लिए बिना जिक्र किया। डीएमके सांसद आज परिसीमन बिल का विरोध करने के लिए काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे।

प्रियंका ने पूछा...अभी 33% आरक्षण क्यों नहीं दे रहे...

प्रियंका गांधी ने कहा, '543 में से महिलाओं को 33% आरक्षण क्यों नहीं दे रहे। अगर पद खोने का डर नहीं तो कुछ लोग इसमें अपना पद खो दें। ताकि महिलाएं और ओबीसी वर्ग आ सके। ये आज ही कर दें, शुभ काम हो जाएगा काला टीका भी काम आ जाएगा।' 'देश की महिलाओं के नाम पर देश के बुनियादी ढांचों से खिलवाड़ नहीं हो सकता। संसद को कमजोर करके सत्ता कायम रखने की साजिश हो रही है। यह आपकी हस्ती, पद और गरिमा के अनुकूल है।'

बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं पहचान लेती हैं : प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने कहा कि वे कह रहे हैं कि उन्हें इसका श्रेय नहीं चाहिए। बार-बार बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं पहचान लेती हैं। सावधान हो जाइए नहीं तो पकड़े जाएंगे। 2023 में मोदी सरकार ने जब यह बिल पास किया तो हमने उसका समर्थन किया। आज भी उसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि कांग्रेस इसका समर्थन नहीं करेगी। हम डटकर खड़े हैं। आज की चर्चा महिला आरक्षण पर नहीं है। मैंने इसका प्रारूप पढ़ा है। सबसे पहले इसमें लिखा है कि महिला आरक्षण 2029 तक लागू हो, हम सहमत हैं। दूसरा है कि सीटों की संख्या 850 तक बढ़ाई जाएगी। इसके लिए परिसीमन आयोग बनाया जाएगा जो 2011 की जनगणना को आधार बनाएगा।

महिला जागृत है तो पूरा समाज जागृत हो जाता है : अखिलेश

भाजपा ये बताए कि 21 स्टेट में उनकी सरकारें हैं कितनी मुख्यमंत्री महिलाएं हैं। जो दिल्ली की हैं भी वे हाफ सीएम हैं। अधिकार कहां हैं उनके? क्या उनके पास हैं? अभी तक जो सबसे बड़ी पार्टी है कहते हैं खुद को। पूरे देश में इनके विधायक चुने हैं। आप 10 प्रतिशत से ऊपर नहीं जा पा रहे हैं। फिर लोकसभा की गिनती में कितनी संख्या में आप हैं? जहां हम कहते हैं कि हम महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, वहीं हमारे कुछ सवाल हैं। अगर हम अपनी बात कहना चाहें तो डॉ. राममनोहर लोहिया ने हमेशा महिलाओं को पुरुषों के बराबर हिस्सेदारी हर क्षेत्र में देने की बात कही गई है।

इंडी गठबंधन की बैठक में महिला आरक्षण पर समर्थन,परिसीमन का विरोध

संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र के शुरू होने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में विपक्षी इंडी गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई। विपक्षी दलों के सदन के नेताओं ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे के कार्यालय में मुलाकात कर रणनीति बनाई। इस विशेष बैठक में तीन अहम विधेयक, जिनमें 2029 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने और चुनाव क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से जुड़े बिल शामिल हैं पर चर्चा की गई। विपक्ष ने सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने और परिसीमन के प्रावधानों पर चिंता जताई है। बैठक में राहुल गांधी, जयराम रमेश, सैयद नसीर हुसैन, प्रमोद तिवारी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) से सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी से संजय राउत, तृणमूल कांग्रेस से सागरिका घोष समेत तमाम नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा कि विपक्ष संसद को महिला आरक्षण के नाम पर लाए गए दोषपूर्ण परिसीमन विधेयकों से हाईजैक नहीं होने देगा। विपक्षी दल एकजुट हैं और लोकतंत्र पर इस हमले का डटकर मुकाबला करेंगे। आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण विधेयक का पूरा समर्थन करता है, लेकिन परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करता है।

अखिलेश और अमित शाह के बीच तीखी नोकझोंक

धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि देश में जनगणना की प्रक्रिया जारी है और जातियों के साथ ही यह जनगणना होगी। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण गैर-संवैधानिक है। लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित तीन विधेयकों को पेश किये जाते समय समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अखिलेश यादव और धर्मेंद्र यादव की कुछ टिप्पणियों का जवाब देते हुए शाह ने ये बातें कहीं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सदन में आज संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 पेश किए, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया। इस दौरान लोकसभा में उस समय तीखी बहस हुई जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण विधेयक पेश करने में केंद्र की जल्दबाजी पर सवाल उठाया। उन्होंने हाल ही में हुई जनगणना न होने पर चिंता जताई और आरोप लगाया कि सरकार जाति के आधार पर गिनती करने से बच रही है। यह तब हुआ जब केंद्र ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश किया, जो संसद के चल रहे विशेष सत्र के दौरान एक बड़ा कानूनी कदम है। बहस में हिस्सा लेते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि, केंद्र महिला आरक्षण के लिए इतनी जल्दी क्यों कर रहा है। पहले जनगणना से शुरू करें। उन्होंने दोहराया कि उनकी पार्टी सैद्धांतिक रूप से महिला आरक्षण का समर्थन करती है लेकिन डिलिमिटेशन यानी कि परिसीमन के जरिए इसे लागू करने का विरोध करती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकार जाति जनगणना और आरक्षण बढ़ाने की मांग से बचने के लिए जानबूझकर जनगणना में देरी कर रही है। आलोचना का जवाब देते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जनगणना का काम पहले ही शुरू हो चुका है और सदन को भरोसा दिलाया कि जाति-आधारित जनगणना भी की जाएगी। शाह ने कहा, देश भर में जनगणना की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, और उसके बाद, हम जाति-आधारित जनगणना भी करेंगे। अभी, घरों की लिस्टिंग चल रही है। घर किसी खास जाति के नहीं हैं। अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, अगर समाजवादी पार्टी की चली, तो वह घरों को भी जाति के नाम से बताएगी। उन्होंने सदन को भरोसा दिलाते हुए कहा कि, जनगणना जाति जनगणना के साथ ही होगी।

थरूर बोले- परिसीमन पर कई सवाल, सरकार 2 दिन में निपटाना चाहती है...

महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमें महिला आरक्षण से कोई दिक्कत नहीं है। वे इसे तुरंत लागू कर सकते हैं, लेकिन इसमें परिसीमन को क्यों शामिल किया जा रहा है। ये हमारा सवाल है क्योंकि परिसीमन से जुड़े कई मुद्दे हैं। इस पर लंबी चर्चा की जरूरत है,लेकिन वे इसे 2-3 दिनों में ही निपटा देना चाहते हैं, जो मुमकिन नहीं है। दक्षिणी राज्यों के भी इस पर बड़े सवाल हैं। अगर सरकार सच में यह महिला आरक्षण चाहती है, तो वे इसे 2023 में ही कर सकते थे।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान में दो दिन में पांच जवान घायल 24 घंटे में दूसरी बार आईईडी विस्फोट

चाईबासा/रांची,16 अप्रैल 2026। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले स्थित सारंडा वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जंग तेज हो गई है। पिछले 24 घंटों के भीतर नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी के दो अलग-अलग धमाकों और भीषण मुठभेड़ में अब तक कुल छह जवान घायल हो चुके हैं। गुरुवार को हुए ब्लास्ट में एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया,जिसे एयरलिफ्ट कर रांची भेजा जा रहा है। जानकारी के अनुसार,गुरुवार को सुरक्षाबल के जवान सारंडा के घने जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान एक जवान का पैर जमीन के नीचे छिपाकर लगाए गए प्रेशर आईईडी पर पड़ गया। जोरदार धमाके की चपेट में आने से जवान के पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल जवान की नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल हेलीकॉप्टर की मदद ली गई है। उन्हें रांची के खेलगांव स्थित हेलीपैड पर उतारकर सीधे अस्पताल ले जाया जाएगा। इससे पहले बुधवार को मनोहरपुर के छोटानगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बलिबा जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक भीषण मुठभेड़ चली थी। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान के दौरान हुए आईईडी विस्फोट में कोबरा 205 बटालियन के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश समेत पांच जवान घायल हुए थे। घायलों में शैलेश कुमार दुबे, उत्तम सेनापति, जितेंद्र कुमार राय और प्रेम कुमार शामिल हैं, जिन्हें बुधवार शाम ही एयरलिफ्ट कर रांची शिफ्ट किया गया था।

आतंकी हाफिज सईद के राइट हैंड हमजा को लाहौर में सरेआम मारी गोली,आखिरी सांसें गिन रहा है आतंक के आका का करीबी

लाहौर,16 अप्रैल 2026। पाकिस्तान के लाहौर में लश्कर-ए-तोयबा के संस्थापक सदस्य और आतंकी अमीर हमजा पर एक न्यूज़ चैनल के बाहर अज्ञात हमलावरों ने उसे निशाना बनाया और गोलियां दागकर फरार हो गए। अमीर हमजा की हालत फिलहाल नाजुक है और वह अस्पताल में भर्ती है। बता दें कि हमजा आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी रहा है और भारत में हुए कई बड़े आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड भी रहा है। बता दें कि अमीर हमजा को लश्कर-ए-तोयबा का रणनीतिक दिमाग माना जाता है। हमजा उन शुरुआती लोगों में से एक था, जिन्होंने हाफिज सईद के साथ मिलकर लश्कर की नींव रखी थी। इसे संगठन का मुख्य विचारक कहा जाता है, यानी वो शख्स जो आतंकियों को तैयार करने के लिए उनका ब्रेनवॉश करता था। अमेरिका ने अमीर हमजा को 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित कर रखा है। अमीर हमजा लश्कर के लिए पैसा जुटाना, नए लड़कों की भर्ती करना और पकड़े गए आतंकियों को छुड़ाने के लिए सौदेबाजी करने में माहिर था। उसने जिहाद को बढ़ावा देने वाली किताबें भी लिखीं. जब 2018 में पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा और लश्कर पर कार्रवाई हुई, तो इसने 'जैश-ए-मनकाफा' नाम का एक नया मुखौटा तैयार कर लिया ताकि कश्मीर में दहशतगर्दी जारी रख सके। बता दें कि इसी साल 2026 की शुरुआत में लश्कर कमांडर बिलाल आरिफ सराफी को ठिकाने लगाया गया। 2025 में झेलम में फैसल नदीम और सिंध में अबू सैफुल्लाह खालिद का भी यही हश्र हुआ।

आंध्र प्रदेश के कर्नुल में सड़क हादसा...

कर्नाटक के आठ श्रद्धालुओं की मौत, 12 घायल

हैदराबाद,16 अप्रैल 2026 । आंध्र प्रदेश के कर्नुल जिले में गुरुवार तड़के एक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। यह हादसा नेशनल हाईवे 167 पर कर्नुल जिले के धर्मापुर टोल प्लाजा से लगभग 8-9 किलोमीटर दूर कर्नाटक-आंध्र प्रदेश सीमा के पास हुआ। पुलिस के अनुसार प्रसिद्ध तीर्थस्थल मंत्रालयम स्थित श्री राघवेंद्र स्वामी मठ में दर्शन के लिए श्रद्धालु एक छोटी पिकअप गाड़ी से जा रहे थे। तभी कर्नाटक-आंध्र प्रदेश सीमा पर तड़के 3.30 बजे मंत्रालयम के चिलकलाडोना के पास पिकअप गाड़ी और रेडी-मिक्स लॉरी की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। हादसे के समय पिकअप वाहन में कुल 21 लोग सवार थे। इनमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों को यममिगनूर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान कुमार (60), दीपिका वीणा (35), सुनील (40), बेल्ली (3), मीनाक्षी (60), पुट्टम्मा (60), तयम्मा (60) और लोलेक्षी के रूप में हुई है। यममिगनूर उप-मंडल की डीएसपी भार्गवी ने बताया कि सात घायलों को बेहतर उपचार के लिए बाद में कुर्नुल स्थानांतरित किया गया, जबकि चार अन्य का एरिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक व्यक्ति की हालत स्थिर बताई गई है।

उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही अधिक जानकारी सामने आएगी। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों से घटना की जानकारी ली और कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि दो वाहनों की टक्कर में आठ लोगों की जान चली गई। परिवहन मंत्री मंडिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने भी इस भीषण सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे और इस दौरान यह हादसा हो गया।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 9 वीं-12 वीं के लिए जारी किया नया पाठ्यक्रम

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2026। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक का नया सिलेबस जारी कर दिया है। बोर्ड ने यह कदम छात्रों के समग्र विकास और रटने की प्रवृत्ति को खत्म कर समझ आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उठाया है। जहां कक्षा 11वीं और 12वीं का पाठ्यक्रम पहले ही उपलब्ध करा दिया गया था, वहीं कक्षा 9वीं और 10वीं का विस्तृत सिलेबस 2 अप्रैल 2026 को आधिकारिक तौर पर जारी किया जा रहा है। बोर्ड ने सभी संबद्ध स्कूलों और छात्रों को निर्देश दिया है कि वे सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट से इसे डाउनलोड कर अपनी तैयारी शुरू करें। सीबीएसई द्वारा लागू किया गया यह नया सिलेबस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सिद्धांतों पर आधारित है। इस बार बोर्ड ने मूल्यांकन के तरीकों में भी परिवर्तन के संकेत दिए हैं, जिसमें रटने वाले सवालों के बजाय तार्किक और व्यावहारिक ज्ञान को परखने वाले प्रश्नों की संख्या बढ़ाई गई है। बोर्ड का मानना है कि नया सिलेबस छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मानसिक रूप से अधिक सशक्त बनाएगा। नए विषयों और अध्यायों को इस तरह से शामिल किया गया है कि छात्र विषयों की गहराई को समझ सकें। साथ ही, शिक्षकों को भी शिक्षण पद्धतियों में बदलाव करने और 'लर्निंग बाय डूइंग' पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है।

लखनऊ में झुग्गी-झोपड़ी में लगी भीषण आग,100 से अधिक सिलेंडर फटे,मवेशी जले और कई बच्चे गायब

लखनऊ,16 अप्रैल 2026। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में बुधवार शाम को भीषण आग लग गई, जिसमें 1,200 से अधिक झुग्गी-झोपड़ी जलकर खाक हो गई। झोपडियां को बगल में आवासीय सोसाइटी, होटल और कई शोरूम हैं। आग इतनी भयावह थी कि उसकी लपटें 10 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं। आग के कारण झोपडियों में रखें 100 से अधिक सिलेंडरों में धमाके हुए हैं। यहां रहने वाले लोग रोते-बिलखते देखे गए। विकासनगर सेक्टर-12 स्थित मिनी स्टेडियम से कुछ दूर 3 बीघा खाली जमीन है। यह आवासीय सोसाइटी के बगल में है, जहां काफी सालों से लोग झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। बुधवार शाम को अचानक एक झोपड़ी में आग लगी, जिसके बाद 1,200 झोपडियों को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर हाहाकार मच गया। मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंच गई। अग्निशमन विभाग की 22 गाडियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एक व्यक्ति ने अपने 4 बच्चों के जिंदा

जलने का दावा किया है और 50 मवेशी भी आग में जल गए। कुछ लोगों ने बच्चों के गायब होने का भी दावा किया है। हालांकि, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना की सूचना पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने अग्निकांड की उच्च स्तरीय जांच कराने की बात कही है। सभी बेघर लोगों को नगर निगम के शिविर में जगह दी गई है। पड़ताल जारी है।

भाजपा रच रही है बम व एनआईए जांच की साजिश : ममता

कूचबिहार,16 अप्रैल 2026। लगातार धुंआधार चुनाव प्रचार कर रहीं बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कूचबिहार जिले के मदन मोहन मंदिर में पूजा-अर्चना की अपने हाथों से प्रसाद वितरण किया। वहीं कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल चुनावों के दौरान बम लगाने और जांच के लिए एनआईए को बुलाने की योजना बना रही है। सीएम ने दावा किया कि चुनाव के दौरान माहौल खराब करने की साजिश रची जा रही है। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में कहा कि भाजपा चुनाव के समय राज्य में अशांति फैलाने के लिए बम लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब चुनावी माहौल को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है, ताकि मतदाताओं में डर पैदा हो सके। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इसके लिए बाहरी लोगों को लाकर गलत घटनाओं का आरोप स्थानीय लोगों पर डाला जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा...'बंगाल चुनाव से पहले जिनके दावे तय हो जाएं,उन्हें वोट डालने की इजाजत दी जाए'

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2026। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह उन मतदाताओं के लिए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी करे, जिनके नाम गलत तरीके से बाहर रखे जाने के दावों का फैसला उनके पक्ष में हो गया था। यह काम पश्चिम बंगाल में दो फेज में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 21 और 27 अप्रैल तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने हाल ही में अपलोड किए गए 13 अप्रैल के एक आदेश में कहा, इसलिए, हम भारत के संविधान के आर्टिकल 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं और ईसीआई को निर्देश देते हैं कि, जहां भी अपीलेट ट्रिब्यूनल 21 अप्रैल 2026 या 27 अप्रैल 2026 तक अपील पर फैसला कर सकें, जैसा भी मामला हो, ऐसे अपीलेट आदेश को एक पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी करके लागू किया जाएगा, और वोट देने के अधिकार के संबंध में सभी ज़रूरी नतीजे लागू होंगे। बेंच ने कहा, हालांकि, यह कहने की जरूरत नहीं है कि सिर्फ बाहर किए गए लोगों की अपील अपीलीय न्यायाधिकरणों के सामने पेंडिंग होने से उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं मिल जाएगा। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे। बेंच ने कहा कि अगर ऐसी स्थिति बनी रही, तो इसका नतीजा यह होगा कि आपत्ति करने वाले लोग उन लोगों को भी वोट देने के अधिकार से वंचित करने की मांग कर सकते हैं जिनके नाम संशोधित मतदाता सूची में हैं, लेकिन जिनके खिलाफ ऐसे आपत्ति करने वालों ने अपील की है। बेंच ने कहा कि इसके नतीजे में वही हालात बन जाएंगे जो न्यायिक अधिकारियों को सत्यापन का काम सौंपे जाने से पहले थे। बेंच ने अपने आदेश में कहा, हमारी सोच के हिसाब से, इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती, खासकर तब जब पश्चिम बंगाल राज्य के न्यायिक अधिकारियों ने, झारखंड और ओडिशा राज्यों के न्यायिक अधिकारियों की मदद से, बहुत कम समय में एक बहुत बड़ा काम पूरा कर लिया है। बेंच ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि इस कोर्ट के बनाए गए कई बहुस्तरीय सुरक्षा उपाय को ध्यान में रखते हुए, यह साफ हो जाता है कि अगर अपीलीय न्यायाधिकरण अपील मान लेता है और शामिल करने या बाहर करने का कोई पक्का निर्देश जारी किया जाता है, तो ऐसे निर्देश पश्चिम बंगाल राज्य के 23 अप्रैल 2026 या 29 अप्रैल 2026 को, जैसा भी मामला हो, मतदान शुरू करने से पहले ठीक से लागू हो जाएंगे। बेंच ने कहा कि यह साफ है कि अपीलेट ट्रिब्यूनल के सदस्यों के लिए सभी जरूरी ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है और आज की तारीख में अपीलेट ट्रिब्यूनल पूरी तरह से काम कर रहे हैं।

संपादकीय

केवल बड़ा बाजार बनना पर्याप्त नहीं

दुनिया इस समय एक अजीब दौर से गुजर रही है। कहीं युद्ध चल रहे हैं,कहीं युद्ध की तैयारी है और कहीं बिना युद्ध के भी सब कुछ प्रभावित हो रहा है। पहले ऐसा माना जाता था कि अगर बाजार खुला रहेगा तो अर्थव्यवस्था चलती रहेगी। हालांकि अब यह भरोसा कमजोर पड़ रहा है, क्योंकि आज का संकट केवल व्यापार का नहीं है,बल्कि सप्लाई,सुरक्षा और भरोसे का भी है। ऐसे समय में भारत को यह समझना होगा कि वह सिर्फ एक बड़ा बाजार बनकर आगे नहीं बढ़ सकता। तब तो और नहीं जब बाजार एक ताकत के कब्जे में रहे। इससे अर्थव्यवस्था कभी भी डगमगा सकती है। भारत केवल एक बड़ा उपभोक्ता देश बनता जा रहा है। हमारे पास युवा आबादी है, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था है और दुनिया की बड़ी कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है,लेकिन क्या केवल उपभोक्ता बनकर कोई देश मजबूत बन सकता है? अगर उत्पादन, तकनीक,ऊर्जा और अन्य जरूरी संसाधनों के मामले में हमारी बाहरी निर्भरता बनी रहेगी तो थोड़ी सी वैश्विक हलचल भी हमें हिला सकती है और इसका उदाहरण आज हमारे सामने है।

युद्धों का सबसे पहले असर ऊर्जा पर पड़ता है। तेल और गैस की कीमतें बढ़ती हैं। सप्लाई में रुकावट आती है। इसका प्रभाव आम आदमी की जेब पर पड़ता है,लेकिन संकट यहीं खत्म नहीं होता। एक और बड़ा खतरा है डिजिटल ढांचे का। आज हमारी जिंदगी का बड़ा हिस्सा इंटरनेट,डाटा और क्लाउड पर टिका है। बैंकिंग से लेकर सरकारी सेवाएं,पढ़ाई से लेकर व्यापार सब कुछ डिजिटल हो चुका है। ऐसे में अगर युद्ध के कारण डाटा सेंटर प्रभावित होते हैं, इंटरनेट के रास्ते बाधित होते हैं या साइबर हमले बढ़ते हैं,तो पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है। स्वास्थ्य सेवाएं भी इससे अछूती नहीं हैं। हम अक्सर सोचते हैं कि अस्पताल केवल डाक्टर और दवाओं से चलते हैं,लेकिन सच यह है कि वे वैश्विक सप्लाई चेन पर निर्भर होते हैं।

उदाहरण के लिए एमआरआई मशीन में इस्तेमाल होने वाली हीलियम गैस एक ऐसी विशेष गैस है,जो मशीन को सही तापमान पर काम करने में मदद करती है। भारत अपनी हीलियम जरूरत का बड़ा हिस्सा बाहर से आयात करता है। यह देश दुनिया के बड़े हीलियम उत्पादकों में से एक है। अगर युद्ध के कारण वहां से उसकी सप्लाई बाधित होती है तो इसका सीधे असर हमारे अस्पतालों पर पड़ेगा। जांच में देरी के साथ इलाज महंगा हो सकता है और कई जगहों पर सेवाएं बाधित हो सकती हैं। इसका मतलब यह है कि युद्ध का असर आम नागरिक के इलाज तक पर पड़ता है। यही वह स्थिति है जो हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि विकास का मतलब केवल बाजार नहीं हो सकता।

बाजार जरूरी है,पर वह सब कुछ नहीं कर सकता। बाजार वहां जाता है, जहां फायदा होता है,लेकिन देश को उन जगहों पर भी काम करना पड़ता है, जहां फायदा तुरंत नहीं दिखता, मगर उन क्षेत्रों की महत्ता कम नहीं। जैसे बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और रिसर्च। अगर इन क्षेत्रों को पूरी तरह बाजार के भरोसे छोड़ दिया जाए,तो असमानता बढ़ेगी और देश कमजोर पड़ेगा। इसी कारण जवाहरलाल नेहरू ने समझा था कि एक नए देश को खुद को मजबूत बनाने के लिए सरकार की भूमिका जरूरी है। उन्होंने उद्योग, बिजली,वैज्ञानिक संस्थान और सार्वजनिक क्षेत्र पर जोर दिया ताकि देश अपने पैरों पर खड़ा हो सके। उनका उद्देश्य केवल आर्थिक विकास नहीं,बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना था,जो संकट के समय भी टिक सके।

बाहरी दुनिया के साथ तालमेल की कड़ी मानी जाने वाली विदेश नीति में भी आज असंतुलन दिखता है। एक ओर हम स्वतंत्र निर्णय की बात करते हैं, लेकिन कई बार व्यवहार में झुकाव अधिक स्पष्ट दिखता है। पश्चिमी देशों के साथ बढ़ती नजदीकी जरूरी हो सकती है, पर अगर संतुलन बिगड़ता है, तो हमारे पारंपरिक संबंध कमजोर हो सकते हैं। विदेश नीति की ताकत इसी में होती है कि वह सभी पक्षों से संबंध बनाए रखे। असंतुलन यह भी है कि विदेश नीति और आर्थिक नीति के बीच हमेशा स्पष्ट तालमेल नहीं दिखता। हम वैश्विक मंचों पर स्वतंत्रता की बात करते हैं, लेकिन व्यापार और तकनीक के मामलों में कुछ खास देशों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। यह स्थिति भविष्य में जोखिम पैदा कर सकती है, खासकर तब जब दुनिया पहले से ही अनिश्चितता से भरी हो।

पुस्तक चर्चा

सरगुजिहा बोली का प्रथम महाकाव्य

राम हनुमान गोठ,अर्थात सरगुजिहा छत्तीसगढ़ी रमायन

समीक्षक
डॉ. सुदामा मिश्र
सेवानिवृत्त-सहायक प्राध्यापक
अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0)

श्री बंशीधर लाल जो सामान्यतः बी0डी0लाल के में संबोधित किये जाते हैं वैसे तो हिन्दी के व्याख्याता के रूप में शासकीय विद्यालयों में सेवा किये और हिन्दी में अनेक पुस्तकों - का लेखन किये हैं और अभी भी कर रहे हैं परन्तु पुस्तक के रूप में उनकी प्रथम कृति सन् 2010 में सरगुजा की आतुर बोली में -राम हनुमान गोठ- के रूप में प्रकाश में आयी।

यह बड़े हर्ष की बात है कि उपेक्षित बोली को एक पहचान दिलाने का इस स्तर पर श्री लाल ने प्रयास किया है। इसमें राम की कथा जन्म से लेकर लंका विजय के पश्चात् अयोध्या वापस आना और राज्य का दायित्व स्वीकार करना अंकित है। पुस्तक में राम के जीवन की प्रमुख घटनाओं को उपशीर्षकों में उल्लेखित कर सरल-सुवोध बनाने प्रयास किया गया है जैसे-

रामजनम अड लरिकाई,राम बिहाव

राम वनवास,सीता कर खोज-राम हनुमान भेट आदि उनको भी अलग-अलग घटनाओं के आधार पर प्रस्तुत किया गया है जिसे सामान्य जन भी समझ सकते हैं। लेखक ने अपने परिचयात्मक आलेख-चिन्हारी वर-में स्पष्ट किया है कि-सरगुजा छत्तीसगढ़ में प्रचलित प्रतीकों के माध्यम से सब कुछ कहा गया है। यह इस तथ्य को उजागर करता है कि इस लोक बोली में भी ऐसी सामर्थ्य है जो गूढ़ विषय की अभिव्यक्ति सरसता के साथ कर सकती है।

भारतीय काव्य शास्त्र परम्परा में महाकाव्य के कुछ मानक स्वीकृत हैं, उसका निर्वाह कितना किया है उसका स्पष्टीकरण करते हुए कवि ने लिखा है कि -

अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि और राम कथा का सर्वमान्य ग्रंथ ''मानस'' का गहरा प्रभाव कलापक्ष पर है। बिन्दुवार यदि विवेचन किया जाय तो महाकाव्य के स्वरूप स्पष्ट उजागर होंगे।

(1) राम की पावन गाथा भारतीय समाज ही नहीं अविरल धरा पर सर्वमान्य है जो शुभ संदेश परक है।

2) इसके पात्र सर्वोच्च मानवीय गुण सम्पन्न है।

3) कथा का श्रीगणेश वन्दना- ''सुमिरनी'' से होता है-

ग गनेश का सुमिरन करिके
गोठ राम कर गाऊँ
और हनुमान जी को सुमिरते हुए कवि कहता है
हनुमान तोर गोठ राम संग
सुर तो बहुत सोहाथे,
लकड़ा कर चटनी संग
जइसे
बासी गजब मिठाथे।

इसमें सरगुजा अंचल में प्रसारित प्रतीकों का बड़ा ही मधुर समन्वय है।

(4) रचना का समापन सुखान्त है जैसा कि भारतीय बांगमय में अपेक्षा की जाती है।

(5) घटनाक्रम के आधार पर, जहाँ अलग-अलग वर्णन हुआ है वहाँ कथा क्रम में कहीं टूटन नजर नही आती है। स्थान-स्थान पर छन्द विधान में परिवर्तन भी दिखायी देता है।

(6) आपसी संवाद की रोचक बने हैं चाहे विषय वस्तु कैसी भी हो जैसे मंथरा-कैकेयी संवाद,महाराज -कैकेयी संवाद, केक्ट-राम संवाद आदि।

(7) नगर वर्णन, याझा वर्णन प्रकृति चित्रण आदमी स्थान स्थान पर किये गये हैं। इस क्रम में विभिन्न रसों का परिपाक विषयानुसार दिखायी देता है। सूक्ष्म मनोभाव का स्थान-स्थान पर चित्रण आकर्षक है।

जब राम-लक्ष्मण विश्वामित्र जी के साथ जनकपुर हेतु प्रस्थान करते हैं तो राम का मनोभाव अद्भुत रूप में प्रस्तुत किया गया है-

''राम-लखन चले सिया
कर गाँव,
हालू हालू उठतई पाँव
मन मा फुरहरी,
तन मा सुरहरी
शिव शंकर कर भजते
नांव।''

(8) तीन गुण हो यो तीन शब्द शक्तियाँ, शब्दालंकार हो या अर्थालंकार स्थान-स्थान पर स्वाभाविक रूप में मिलते हैं कहीं बोझ रूप में नहीं मिलते हैं। घायल हनुमान जब अयोध्या में भरत को अपना परिचय देते हैं तो इतना सरल-सटीक और रोचक है कि पाठक मुग्ध हो कर हनुमान के बुद्धिचातुर्य का कायल हो जाता है।

(9) जिन गुणों के लिये रामचन्द्र जी का परिवार समाज में आदर्श रूप में स्वीकृत है उनका निर्वाह इस ग्रंथ में किया गया है ऐसा कहा जा सकता है। सीता जी,लक्ष्मण जी,मत-शत्रुध्नजी सबके चरित्र से रामराज्य की स्थापना में योगदान की पुष्टि होती है।

यह एक लघुकाय महाकारण है। इसमें सर्गो के हुप में विभाजन नहीं किया है जैसा कि माना जाता है कि कम से कम आठ सर्ग होने चाहिए। वास्तव में सर्ग घटनाक्रम को समझते में सहायक होते हैं ऐसे में इस ग्रंथ में किये गये विभाजन उसका स्थान स्वतः, पाते हैं। छन्द विधान का भी एकं निर्धारित रूप में निर्वहण नहीं किया गया है लेकिन विषय वस्तु पर प्रकाश डालने में प्रत्येक छंद स्वाभाविकः प्रतीत होते हैं।

सरगुजा आदिवासी अंचल का प्रतिनिधित्व करता है। कवि ने आदिवासियों द्वारा गाये जाने वाली धुन पर भी एक छन्द रच दिया है जैसे

सोनकर लंका ले -
सोनकर मिरगा
निकलिस रेंगिस -
सोन कर मिरगा
पंचवटी पहुँचिस -
सोन कर मिरगा
सिया ला लुभाइस - लोन
कर मिरगा ।

यद्यपि घोषित रूप में छन्द विधान और राग-रागिनियाँ नहीं मिलती हैं परन्तु संपूर्ण रचना गेय है। सामान्य पाठक भी अपनी धुन में इसे पिरो सकता है और काव्यानन्द का अनुभव कर सकता है।''स्वान्तः सुखाय रघुनाथ गाथा'' का यह काव्य जीता-जागता प्रमाण है। पाठक कही भी बोझिल मन नहीं होगा ऐसा कहा जा सकता है।

श्री लाल वर्षो से रचना कर रहे हैं, प्रसारण और स्फुट प्रकाशन होता रहता है लेकिन पुस्तक के (रूप में पहली रचना महाकाव्य के रूप में प्रकाशित होना बड़ी ही प्रशंसा का आधार है। जैसा कि श्री लाल ने ''चिन्हारी वर''आलेख में अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि बतायी है उसमें इस प्रकार की अभिव्यक्ति स्वाभाविक लगती है और प्रशंसनीय है। साथ ही इस पुस्तक में स्थानीय परम्पराओं और प्रतीकों का राजसी वैभव के साथ अद्भुत समन्वय मिलता है। जैसे बच्चों के जन्मोत्सव में स्थानीय परम्पराओं का पालन करते हुए दिखाया गया है,छठी का आयोजन, उसमें महिलाओं को नाखून काटना, केश सँगरना, महावर-आलत्मक लगाना,काँके पीना सभी स्थानीय परम्पराओं की ओर इंगित करते हैं। इसी प्रकार विवाह के आयोजन हेतु मंडव निर्माण में स्थानीय सामग्री का उपयोग करते हुए राजसी **वैभव का प्रदर्शन जैसे :-**

सरई झाडू कर हरियर डहुरा
सुग्घर मड़वा बनावे
हीरा मोती लाल जगहर
गुहि कर सान बढ़ाये।

इसी प्रकार स्थानीय व्यंजनों का भी यथा स्थान उल्लेख मिलता है। जब सीता जी की विदायी हो जाती है तो उनके साथ जो भेट सामग्री चलती है उसके प्रति कवि स्वर बहुत ही मधुर निकलता है- दृष्टया है-

भार उठाये दाइज कर
कमिया, भरिहा आगू-आगू
चारो वहिनिन सेवा खांतिर
रोताइन बरगाहिन पीहूं।
और- ख्वाजा खड़पुडिया,
खुरमा
सतरंगी मेरे अनरसा
झाँपी झाँपा दौरी कुण्डा
लेड़ुआ अउर बतासा
बुनिया माठ ठोकआ ठुरिया
देखि के टपके लार

इस तरह कवि ने अपने इस काव्य में लोक रीतियों और परम्पराओं का उल्लेख कर आम जनों को आकृष्ट करने का सफल प्रयास किया है। पाठक इसमें अपनत्व पाता है।.

जैसा लोक प्रचलित है कि महाराज दशरथ ने एक यज्ञ कराया जिसमें अग्रेदेव ने स्वयं प्रगट हो प्रसाद रूप में हवि (खीर) उपलब्ध कराया जिसके सेवन के पश्चात रामलक्ष्मण चारो भाई का जन्म हुआ। वास्तव में वह एक वैज्ञानिक प्रयोग दवा निर्माण के लिये था जिससे गर्भ सुरक्षित रहे। हमारे यहाँ के सारे कृत्य जो आज विज्ञान की कसौटी पर खरे उतर रहे हैं उनकी सफलता निर्विध्न बनाये रखने के लिये पूजन-यापन से जोड़ दिया गया था। शादी-विवाह में मंत्रोच्चार आदि ईश्वर को साक्षी मानकर उच्चरित होते हैं और इस ग्रंथ में भी उसका विवरण मिलता है जो इस काव्य को लोकरूचि के अनुरूप है।

कवि श्री लाल ने जनकपुर की वाटिका, अशोक वाटिका = की भूमिका से पर्यावरण की महत्ता पुष्ट कर दिया है जहाँ सीता जी का प्रेम भाव जन्म लिया और परीक्षा देने में भी सफ्ल हुआ। इसी प्रकार भगवान राम ने शबरी और अहल्या के प्रति जो आत्मीयता दिखायी वह इस बात का संकेत करता है कि जीवन में निकट से निकट जुड़ने में ही सफलता है आनंद है।

ऐसी घटनायें इस काव्य को मानवीय भावनाओ को पुष्ट करने वाली सिद्ध होती हैं जो एक आदर्श रचना का उद्देश्य होता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तुलसीदास जी का कथन-

'' मासा मनिति मृति
भक्ति सोई-
सुरसरि सम सब कर
हित होई।''

इस लघुकायूँ महाकाय को भी जन रंजक की कसौटी पर खरा उतरता है।

इति शुभम्

रचयिता-वंशीधर लाल
सेवानिवृत्त प्राचार्य
अम्बिकापुर,छत्तीसगढ़

महिला आरक्षण बिल के सहारे मुस्लिम सियासत चमकाती सपा

अजय कुमार,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

समाजवादी पार्टी द्वारा महिला आरक्षण संशोधन बिल पर बहस के दौरान मुस्लिम महिलाओं को अलग से आरक्षण देने की मांग ने लोकसभा में हंगामा मचा दिया। यह मुद्दा न केवल संसदीय बहस को तीखा बना दिया, बल्कि भाजपा और सपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नई जंग भी छे दी। सपा नेता ने सदन में कहा कि मुस्लिम महिलाओं को अलग से आरक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिए,क्योंकि सामान्य आरक्षण में उनकी हिस्सेदारी कम है। इस बयान पर भाजपा ने तीखा विरोध जताते हुए कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है। लोकसभा में भाजपा के प्रवक्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सपा मुस्लिम वोटों को लुभाने के लिए सदन को कम्युनल रंग देने की कोशिश कर रही है। यह घटना 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है,जहां सपा मुस्लिम मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की रणनीति अपना रही है। लोकसभा में हुई इस बहस ने दोनों दलों के नेताओं के बयानों को राजनीतिक चश्मे से परखने का मौका दिया है। सपा के इस कदम से भाजपा ने सपा को मुस्लिम तुष्टीकरण का दोषी ठहराया, जबकि सपा ने इसे महिलाओं के सशक्तिकरण का मुद्दा बताया। इस बहस के दौरान सपा नेता अखिलेश यादव के करीबी सहयोगी ने कहा, मुस्लिम महिलाएं पिछड़ी हुई हैं, उन्हें अलग कोटा मिलना चाहिए ताकि वे समाज में आगे बे सकें। भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया,धर्म के नाम पर आरक्षण की मांग संविधान की आत्मा को चोट पहुंचाती है। सपा वोट बैंक की राजनीति कर रही है। सपा का यह बयान मात्र एक विधायी प्रस्ताव नहीं,बल्कि एक सोची-समझी चुनावी चाल है।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं, सपा इस मुद्दे को उठाकर इन वोटों को एकजुट करने की कोशिश में लगी है। भाजपा का विरोध उतना ही तीखा है, क्योंकि वह इसे हिंदू-मुस्लिम विभाजन की कोशिश मान रही है। लोकसभा में बहस के दौरान सपा सांसद ने तर्क दिया कि ओबीसी और अनुसूचित जाति महिलाओं को आरक्षण मिल रहा है, तो मुस्लिम महिलाओं को क्यों नहीं। भाजपा ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय में कई उपजातियां ओबीसी में आती हैं,अतिरिक्त धर्म आधारित आरक्षण असंवैधानिक है। इस बयानबाजी ने सदन को दो धड़ों में बांट दिया। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा यदि समाजवादी पार्टी चाहे तो वह अपनी पार्टी में सभी मुस्लिम महिलाओं को टिकट दे सकती है। बहरहाल, सपा का यह रुख 2027 चुनावों की तैयारी का हिस्सा लगता है,जहां पिछले चुनावों में मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा पश्चिमी यूपी में बिखर गया था। अब सपा मुस्लिम महिलाओं के नाम पर एक नया ध्रुवीकरण पैदा करना चाहती है। भाजपा नेता ने सदन में कहा, सपा का यह प्रस्ताव मुसलमानों को अलग-थलग करने की साजिश है,हम इसे कभी सफल नहीं होने देंगे। इस बयान से साफ है कि भाजपा इसे अपनी हिंदुत्व विचारधारा से जो कर देख रही है। सपा के बयान में भावुक अपील है, जो मुस्लिम महिलाओं की कथित उपेक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने आंकड़े पेश किए कि मुस्लिम महिलाओं का प्रतिनिधित्व विधायिकाओं में नगण्य है। लेकिन भाजपा ने इन आंकड़ों को चुनौती देते हुए कहा कि आरक्षण जाति और आर्थिक आधार पर होता है, न कि धर्म पर।

सपा का यह कदम समाजवादी विचारधारा से भटकाव का संकेत देता है, क्योंकि मुलायम सिंह यादव के समय सपा सभी पिछे ों के लिए ले ती थी, अब यह मुस्लिमों पर केंद्रित हो गई है। भाजपा ने सदन में सपा को याद दिलाया कि 2019 लोकसभा चुनावों में सपा-बसपा गठबंधन मुस्लिम वोटों के बावजूद हार गया, अब फिर वही गलती दोहरा रही है। लोकसभा में हुई बहस के दौरान सपा महिला सांसद ने भावुक होकर कहा, मुस्लिम बहनों को बराबरी का हक दो। भाजपा ने तत्काल प्रतिक्रिया दी, सभी महिलाओं को बराबरी का हक है,धर्म अलग क्यों? इन बयानों से सपा की मंशा साफ झलकती है कि वह मुस्लिम महिलाओं को एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

यूपी विधानसभा की 403 सीटों पर मुस्लिम मतदाता करीब 18 प्रतिशत हैं,जिनमें महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। सपा इस वर्ग को लुभाने के लिए विधानसभा चुनाव से पहले संसदीय मंच का उपयोग कर रही है। भाजपा का विरोध भी इसी कारण तीखा है, क्योंकि वह हिंदू मतदाताओं को एकजुट रखना चाहती है। सदन में भाजपा सांसद ने कहा, सपा का यह बिल पास हुआ तो देश में धर्म आधारित विभाजन हो जाएगा। सपा ने जवाब दिया,यह सशक्तिकरण है, विभाजन नहीं। वहीं राजनीति के जानकार कहते हैं कि सपा के बयान में तथ्यों की कमी है, क्योंकि मुस्लिम महिलाओं में पसमांदा मुस्लिम ओबीसी में आते हैं और उन्हें पहले से लाभ मिल रहा है। भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया कि धर्म आधारित आरक्षण नहीं चल सकता। यह बहस लोकसभा की कार्यवाही को बाधित करने वाली बनी,जहां दोनों पक्ष करीब दो घंटे तक एक-दूसरे पर चिल्लाते रहे। सपा नेता ने बाहर आकर कहा, भाजपा संकीर्ण सोच वाली है,हम मुस्लिम महिलाओं के हक के लिए लड़ेंगे। भाजपा ने इसे खारिज करते हुए कहा, सपा चुनावी स्टंट कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि सपा 2027 में मुस्लिम वोट ध्रुवीकरण की रणनीति पर चल रही है। पिछले विधानसभा चुनावों में सपा को मुस्लिम वोटों में 40 प्रतिशत से कम मिले थे,अब वह महिलाओं के मुद्दे से इसे सुधारना चाहती है। भाजपा इसे कम्युनल करार देकर अपने हिंदू वोट बैंक को मजबूत कर रही है। लोकसभा स्पीकर को कई बार सदन स्थगित करना पड़ा। सपा के इस बयान ने विपक्षी दलों को भी असहज कर दिया,क्योंकि बसपा और अन्य दल इसे अपनी विचारधारा से अलग मानते हैं। भाजपा ने इसे मौके का फायदा उठाया और सोशल मीडिया पर सपा को निशाना बनाया। विश्लेषण करने पर सपा के बयानों में चुनावी लाभ की गंध आती है, जबकि भाजपा के बयान संवैधानिकता पर आधारित हैं।

सदन में सपा ने प्रस्ताव पेश किया कि बिल में मुस्लिम महिलाओं के लिए 5 प्रतिशत अलग कोटा हो। भाजपा ने इसे फाड़ दिया और बोली, यह देश को बांटने वाला है। इस नाटकीय घटना ने मीडिया को हेडलाइंस दे दीं। सपा का यह कदम मुलायम सिंह की विरासत से अलग है,क्योंकि उन्होंने कभी धर्म आधारित मांग नहीं की। अखिलेश यादव अब नई पीढ़ी की राजनीति कर रहे हैं,जहां वोट बैंक का ध्रुवीकरण मुख्य हथियार है। भाजपा महिला मोर्चा ने सपा पर हमला बोला कि वह हिंदू महिलाओं की उपेक्षा कर रही है। इस बहस ने राष्ट्रीय महिला आरक्षण बिल को भी प्रभावित किया,जो अभी अधर में लटका है। सपा चाहती है कि बिल में मुस्लिम महिलाओं का अलग प्रावधान हो,ताकि यूपी चुनावों में प्रचार किया जा सके। भाजपा ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे को उठाया और सपा को घेरने की योजना बनाई। विश्लेषण से स्पष्ट है कि सपा के बयान भावनात्मक हैं,जबकि भाजपा तर्कपूर्ण। सदन में सपा सांसद ने कहा,मुस्लिम महिलाएं दबाव में हैं,उन्हें आरक्षण दो। भाजपा ने कहा,सभी महिलाएं समान हैं। यह टकराव 2027 चुनावों का पूर्वाभास देता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की विदेश नीति

-सुभाष बुड़ावन
वाला,रतलाम.मध्यप्रदेश

. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की विदेश नीति एक बार फिर वैश्विक चर्चा के केंद्र में है। ईरान के साथ तनावपूर्ण टकराव के बाद अब उनके सुरों में नरमी दिखाई दे रही है। खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी देशों के लिए खुला रखने की उनकी हालिया टिप्पणी यह संकेत देती है कि वे टकराव से अधिक संतुलन की ओर लौटना चाहते हैं। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि युद्ध की सीमाओं और उसके वैश्विक दुष्प्रभावों की समझ का परिणाम प्रतीत होता है।

ईरान और अमेरिका के बीच हालिया संघर्ष ने न केवल पश्चिम एशिया को अस्थिर किया,बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर भी गहरा असर डाला। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और समुद्री व्यापार में बाधाओं ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया। ऐसे में जब ईरान भी युद्ध से बचने की इच्छा जाहिर कर रहा है, तो यह स्पष्ट है कि दोनों पक्ष अब कूटनीतिक समाधान की ओर बढ़ना चाहते हैं।

ट्रंप का यह रुख इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने पहले इस्राइल के साथ मिलकर ईरान पर आक्रामक नीति अपनाई थी। उस समय वार्ता जारी होने के बावजूद सैन्य कार्रवाई का निर्णय कई विशेषज्ञों के अनुसार जल्दबाजी और रणनीतिक भूल थी। अब जब वे पुनः बातचीत की बात कर रहे हैं, तो यह उनकी नीतिगत अस्थिरता को भी उजागर करता है।

इस पूरे घटनाक्रम में चाइना की भूमिका भी उल्लेखनीय रही है। चीन ने एक ओर ईरान को कूटनीतिक समर्थन दिया, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखा। रिपोर्टों के अनुसार, चीन की तकनीकी सहायता और खुफिया समर्थन ने ईरान की सैन्य क्षमता को मजबूत किया। इसके बावजूद, चीन द्वारा ईरान को हथियार न देने के आश्वासन ने ट्रंप को पीछे हटने का एक रास्ता प्रदान किया।

ट्रंप की कार्यशैली लंबे समय से अनिश्चितता और आक्रामक बयानबाजी के लिए जानी जाती रही है। सोशल मीडिया पर अचानक दिए गए उनके बयान अक्सर वैश्विक बाजारों और कूटनीतिक संबंधों को प्रभावित करते हैं। आलोचकों का मानना है कि यह रणनीति दबाव बनाकर सौदेबाजी का हिस्सा है, जिससे वे विरोधियों को असमंजस में रखना चाहते हैं। हालांकि, यह तरीका कई बार उल्टा भी पड़ता है और अमेरिका की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है।

वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि शक्ति प्रदर्शन की राजनीति की अपनी सीमाएं हैं। युद्ध, चाहे वह कितना ही सीमित क्यों न हो, अंततः आर्थिक,मानवीय और राजनीतिक संकट को जन्म देता है। ऐसे में ट्रंप का नरम पड़ना एक व्यावहारिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है, न कि केवल रणनीतिक बदलाव के रूप में।

यह प्रकरण अंतरराष्ट्रीय संबंधों में स्थिरता, संवाद और विश्वास की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ते हैं,तो यह न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी एक सकारात्मक संकेत होगा!

जीवन में शान्ति की आवश्यकता

संजय गोस्वामी,
दुंदीबाजार,पटना,बिहार

जीवन में रोग से घबराना नहीं चाहिए कल क्या होगा ऐ सिर्फ और सिर्फ भगवान राम जानता है इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना और खुश रहने के लिए भगवान राम का ध्यान करने से रोग स्वतः ठीक होगा आपको लगा शुगर ज्यादा हो गया और कुछ हो जाएगा तो ऐ सोचने से मानसिक दबाब पड़ता है यह एक प्राचीन प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में शोधकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों का अध्ययन करने के कारण इसमें फिर से रुचि पैदा हुई है। कई अध्ययनों ने ध्यान के अनेक लाभों को स्थापित किया है, जिनमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में इसका उपयोग भी शामिल है ध्यान का उद्देश्य मन को शांत करना है, इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक हो सकता है कि यह अभ्यास अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।हालांकि यह हर समस्या का अचूक इलाज नहीं है,लेकिन इन मानसिक बीमारियों से पीड़ित कई लोगों को ध्यान करने से कुछ राहत मिलती है । और इसके लाभों को प्रमाणित करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण भी मौजूद हैं।

एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि आठ सप्ताह की अवधि के दौरान किए जाने वाले ध्यान कार्यक्रम अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसमें सबसे उत्तम है भगवान राम का ध्यान जिससे आपके अंदर भगवान राम के कर्म की क्रिया को करने की उत्सुकता होगी और जिस दिन भगवान राम के ध्यान में एक चिंगारी भी आ गई तो समझ लेना आपका जीवन बदल गया और डर खत्म होगा आप नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और शान्ति आपके कदम चूमेंगी और भगवान राम आपको सहायता करेंगे और हमेशा खुश रहेंगे भगवान राम नाम जप करते हुए ध्यान करेंगे तो स्वास्थ्य लाभ के साथ ही धर्म लाभ भी मिलेंगे। मंत्र जप और ध्यान मंदिर में या अपने घर पर भी कर सकते हैं। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम किया जाता है, ठीक उसी तरह मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान किया जाता है। मेडिटेशन करने से ब्लड प्रेशर संतुलित होता है, शरीर में ऊर्जा बढ़ती है,शरीर को ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है,जिससे तनाव दूर होता है, नकारात्मक विचार खत्म होते हैं,मन शांत हो जाता है।मंत्र जप पर किए गए आधुनिक शोध चौंकाने वाले परिणाम दे रहे हैं। जब हम राम बोलते हैं तो हमारे मुख, तालु और कंठ में विशेष कंपन उत्पन्न होती हैं।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जिले के सीबीएसई स्कूलों के कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम रहा बेहतर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) नई दिल्ली द्वारा घोषित 10 वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम में जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ओरिएण्टल पब्लिक स्कूल के अधिकांश विद्यार्थी इस परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। शौर्य कुमार गुप्ता 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में अव्वल रहे। इसी तरह गरिमा गायकवाड़ 94.8,अंश गुप्ता 94.4, अभिषेक सिंह 94.2,स्मृति सिंह चौहान 93.4,अक्ष पाठक 93.2,आयुष्मान वर्मा 93.2,प्रत्युषा द्विवेदी 92.8,शिवम पाण्डेय 92.8,देहली सिंह 92.6,कपिस सिंह 91.4,अंशिका ठाकुर 91.2,डोली अग्रवाल 91,अर्पिता पाल 90.8,समीर उद्दीन 90.6, सशवी यादव 90.6,अर्चित चौबे 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने अभिभावकों,स्कूल के शिक्षकों तथा ओपीएस के शैक्षणिक वातावरण को दिया है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आईए खान सूरी ने इस उत्कृष्ट परिणाम के लिए बच्चों, इनके माता-पिता तथा शिक्षकों को बधाई देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कार्मेल स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। इस वर्ष कक्षा 10 वीं के कुल 276 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। जो उत्तीर्ण रहे। जिसमें प्रथम स्थान ज्ञानशु तिवारी 98.2 प्रतिशत,द्वितीय स्थान शिविका अर्गवाल 98 प्रतिशत और तृतीय स्थान अमय शिव पाठक 97.4 प्रतिशत, सौम्या दीक्षित 97.2 प्रतिशत,देवांशी रॉय चटर्जी 97 प्रतिशत,अन्वी अरविंद कुमार 96.8 प्रतिशत,प्रज्ञा तिर्की 96.2 प्रतिशत,काशिवी इकबाल 96 प्रतिशत, अकंदीप गुप्ता 95.4 प्रतिशत हेमंत सिंह 95.4 प्रतिशत पिहू सोनी 95 प्रतिशत,आयुष यादव 94.8 प्रतिशत, आस्था सिंह शोरी 94.8 प्रतिशत,स्वास्तिक मिश्रा 94.6 प्रतिशत,शैरोन दास 94.6 प्रतिशत,शाहर फातिमा 94.4 प्रतिशत, अदिति पांडेय 94.2 प्रतिशत,तनिष्क पटेल 93.8 प्रतिशत,आर्या जासवाल 93.4 प्रतिशत, तान्या पांडेय 93.2 प्रतिशत,परिधि अग्रवाल 93 प्रतिशत,आदित्य राज गुप्ता 92.8 प्रतिशत,श्रृष्टि यादव 92.6 प्रतिशत, प्राची गुप्ता 92.2 प्रतिशत,आयुषी कश्यम 92 प्रतिशत विदित्ता सिन्हा 92 प्रतिशत, आशीष कुमार वर्मा 91.6 प्रतिशत,आयुषी कुजूर 91.6 प्रतिशत,काव्या सिंह ठाकुर 91.6 प्रतिशत,नैतिक कदम 91.6 प्रतिशत, आर्या नन्दनी 91.4 प्रतिशत, आर्यन सरकार 91.4 प्रतिशत, सुदीक्षा पांडेय 91.2 प्रतिशत,गौरांशी केशरी 91.2 प्रतिशत, प्रतीक गुप्ता 90.8 प्रतिशत, आर्यन विलियम कुजूर 90.8 प्रतिशत,आयुष्मान मिश्रा 90.8 प्रतिशत,अर्हम जैन 90.6 प्रतिशत, निदा सिद्धीकि 90.4 प्रतिशत,एवं अक्षांश शर्मा 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सरगुजा का शानदार प्रदर्शन

सीबीएसई कक्षा 10वीं में 100% परिणाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्राचार्य के समर्पित प्रयासों का परिणाम है। इस उल्लेखनीय सफलता में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा सृष्टि ठाकुर ने 98.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं भूमिका भोय ने 97.8% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर हर्षित राज रहे, जिन्होंने 97.8% अंक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इन सभी विद्यार्थियों ने न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि विद्यालय का नाम भी रोशन किया है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री राजू दुबे ने सभी विद्यार्थियों,अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा,'यह सफलता हमारी सामूहिक मेहनत का परिणाम है। विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। नवोदय विद्यालय ग्रामीण भारत की प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम है।' उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी सफलताओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

मोंटफोर्ट स्कूल का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

नगर के मोंटफोर्ट स्कूल का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता अर्जित की है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। विद्यालय के ब्रदर सेवक गैब्रियल, संगीता पाण्डेय एवं समस्त शिक्षकगण ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, अनुशासन तथा शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है।

SAMARTH WARADE
97 %

परीक्षा परिणाम में सामार्थ वराडे ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सृष्टि दुबे एवं तृप्ति गुप्ता ने 95.2 प्रतिशत अंक अर्जित किए। स्नेहा टोप्पो ने 94 प्रतिशत, अनिरुद्ध झा ने 93 प्रतिशत, अंशिका कुमारी एवं सुष्मिता अग्रवाल ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं प्रेरणा खाखा, करण कश्यप, आशना सिंह, आरुषि पाण्डेय एवं नैंसी दुबे ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त करने की आशा व्यक्त की है।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में लखनपुर के समीर उद्दीन ने हासिल किए 90.6% अंक,क्षेत्र का नाम रोशन किया

लखनपुर । सरगुजा जिले के लखनपुर नगर पंचायत के होनहार छात्र समीर उद्दीन ने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से लखनपुर में खुशी का माहौल छा गया है और परिवार व क्षेत्रवासियों में गर्व की लहर दौड़ गई है। समीर उद्दीन ओरिएंटल पब्लिक स्कूल, अंबिकापुर के छात्र हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। समीर के पिता समीम खान लखनपुर के पार्षद के साथ-साथ स्थानीय पत्रकार भी हैं। बेटे की सफलता पर पूरे परिवार में उत्साह और गर्व का वातावरण है। समीर की पढ़ाई के प्रति रुचि को देखते हुए परिवार ने 9वीं कक्षा में उनका दाखिला अंबिकापुर के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल में कराया। हर रोज लखनपुर से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी तय कर स्कूल आना-जाना उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। अपनी सफलता का पूरा श्रेय समीर ने अपने गुरुजनों, शिक्षकों और परिवार को दिया है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने समीर उद्दीन की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि ऐसे छात्र क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। समीर भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की राह पर हैं।

नारी शक्ति के सम्मान में भाजयुमो ने चलाया हस्ताक्षर अभियान...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में स्थानीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में वृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया के आह्वान, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। अभियान में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेते हुए महिला आरक्षण एवं सशक्तिकरण से जुड़े इस ऐतिहासिक कानून के समर्थन में हस्ताक्षर कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को राजनीति और समाज की मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी दिलाने वाले अधिनियम के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर भाजयुमो पदाधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह अधिनियम देश की आधी आबादी को उनका अधिकार दिलाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर सशक्त राष्ट्र निर्माण में एक तिहाई भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम में महिलाओं की भारी उपस्थिति को अधिनियम के प्रति समर्थन का संकेत बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि जिले की महिलाओं ने एकजुट होकर महिला नेतृत्व और सम्मान के पक्ष में अपना समर्थन जताया है। इस अवसर पर सुश्री प्रिया सिंह, अनीश सिंह, अविनाश मंडल, ऋषु अंबष्ट, शुभम सिंह भदौरिया, रवजोत सिंह, अनुराग शुक्ला, प्रीतेश दुबे, हर्षित दुबे, अभिषेक माथुर सहित भाजयुमो के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंबिकापुर में भाजपा का नारी शक्ति वंदन अधिनियम संभाग स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर संभाग स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर मंजूषा भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह,जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया, डॉ. शारदा भगत एवं कुसुम मिंज विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सम्मेलन की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर तथा वंदे मातरम एवं छत्तीसगढ़ महतारी वंदन गीत के साथ की गई। मुख्य अतिथि मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीति में 33 प्रतिशत भागीदारी देगा, जो महिलाओं के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम संयोजक एवं महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फूलेश्वरी पैकरा ने कहा कि देश की आधी आबादी को यह अधिकार मिलना चाहिए था, जिसे अब साकार किया गया है। सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को प्रतिनिधित्व देकर लोकतंत्र को मजबूत करेगा। जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना ऐतिहासिक उपलब्धि है। सम्मेलन को जिला महामंत्री अरुणा सिंह एवं डॉ. शारदा भगत ने भी संबोधित किया। अंत में अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन फूलेश्वरी सिंह ने किया,जबकि महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाडे ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर रेणु सिंह, मधु चौदाहा, अनुपमा, नीलम राजवाड़े, प्रियंका गुप्ता, ममता तिवारी, सावित्री जायसवाल, अनिता गुप्त भारती, श्वेता गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

विधायक का अल्टीमेटम : 24 घंटे में एसडीएम नहीं बदले तो होगा आंदोलन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सामरी विधायक उदेश्वरी पैकरा शासकीय महाविद्यालय राजपुर में एप्रोच रोड एवं नाली निर्माण कार्य के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचीं। कार्यक्रम स्थल से महज 100 मीटर की दूरी पर एसडीएम एवं तहसील कार्यालय होने के बावजूद, प्रोटोकॉल के तहत एसडीएम सहित राजस्व विभाग का कोई भी अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं रहा। इस पर विधायक ने मंच से ही नाराजगी जाहिर करते हुए अफसरशाही हावी होने का आरोप लगाया। कार्यक्रम के बाद लौटते समय स्थानीय नागरिकों ने विधायक को रोककर सीमांकन,निवासी प्रमाण पत्र और अन्य राजस्व संबंधी लंबित समस्याओं से अवगत कराया। इस पर विधायक स्वयं तहसील कार्यालय पहुंचीं, जहां देवेंद्र प्रधान सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान विधायक और एसडीएम के बीच तीखी बहस हो गई। घटना से नाराज नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'एसडीएम हटाओ, राजपुर बचाओ' के नारे लगाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने बलरामपुर कलेक्टर से चर्चा कर साफ अल्टीमेटम दिया कि 24 घंटे के भीतर एसडीएम देवेंद्र प्रधान का स्थानांतरण नहीं किया गया तो नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सडक़ पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष विनय भगत, उपाध्यक्ष आकाश अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष धरम सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, विधायक प्रतिनिधि शिवनाथ जायसवाल, भाजपा कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सतीश सिंह, राजेश यादव, सुनील गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि शिक्षण सत्र 2026-27 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित कर विभिन्न जिला मुख्यालयों में 01 मार्च 2026 को प्राक्चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा परिणाम की जिलेवार सूची का अवलोकन विभागीय वेबसाइट https://eklavya.cg.nic.in पर किया जा सकता है। परीक्षा परिणाम के संबंध में किसी प्रकार की असुविधा होने पर अपने नजदीकी एकलव्य विद्यालय या ई-मेल आई.डी.- cgemrs.admission2627@gmail.com पर आवेदन क्रमांक और अपनी समस्या का विवरण डालकर समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की 19वीं विद्या परिषद बैठक संपन्न

एआई कोर्स, नए पाठ्यक्रम और सेमेस्टर प्रणाली पर महत्वपूर्ण फैसले

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में 19वीं विद्या परिषद की बैठक विज्ञान संकाय भवन, विद्यापुरम् परिसर भकुरा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले ने की। बैठक में विश्वविद्यालय की अकादमिक शाखा के ओएसडी डॉ. पीयूष पांडेय ने विभिन्न विषयों का प्रस्तुतीकरण किया, जबकि कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी सचिव के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रस्तावित विषयों पर चर्चा की अनुमति प्रदान की। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा के बाद अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर नॉन-क्रेडिट कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया। पर्यावरण विभाग में एक वर्षीय 'जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास' पाठ्यक्रम तथा चार वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) पर्यावरण विज्ञान शुरू करने की स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में 25 नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर भी सहमति बनी, जिसमें 'हिंदू स्टडीज' विषय भी शामिल है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग में बीसीए और एमसीए तथा विधि विभाग में बीए एलएलबी और एलएलबी पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा शोध प्रबंधों में एकरूपता लाने और डीसीए व पीजीडीसीए में सेमेस्टर प्रणाली लागू करने पर भी सहमति बनी। बैठक में सभी संकायाध्यक्ष, बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष और अकादमिक शाखा के सदस्य उपस्थित रहे।

मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन पर सख्ती,पुलिस ने जारी की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ते जोखिम को देखते हुए सरगुजा पुलिस ने मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन पर सख्ती बरतने के निर्देश जारी किए हैं। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार शादी-ब्याह व अन्य आयोजनों में मालवाहक वाहनों में क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर परिवहन किया जाता है, जो बेहद खतरनाक और नियमों के विरुद्ध है। ऐसे मामलों में दुर्घटना और जनहानि की आशंका अधिक रहती है।

निर्देशानुसार थाना प्रभारियों को वाहन मालिकों व चालकों के साथ बैठक कर नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई, जिसमें भारी जुर्माना, परमिट निरस्तीकरण और वाहन जब्ती शामिल है, की जानकारी देने को कहा गया है।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा के लिए केवल अधिकृत यात्री वाहनों का ही उपयोग करें और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए स्वयं व अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में नवाचारी शिक्षण रणनीतियों एवं आधुनिक शिक्षाशास्त्र पर कार्यशाला सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 15 एवं 16 अप्रैल को 'वर्कशॉप ऑन इनोवेटिव टीचिंग स्ट्रेटजीस एंड मॉडर्न पेडागोजी' तथा 'फैकल्टी एनरिचमेंट प्रोग्राम ऑन लीडरशिप एंड पेडागोजीकल एक्सीलेंस' का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों को सुदृढ़ करना, शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण रणनीतियों से परिचित कराना तथा कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाना रहा। कार्यक्रम में शिक्षकों को नेतृत्व विकास, प्रभावी मार्गदर्शन, आधुनिक शिक्षण तकनीकों तथा पीढ़ियों के मध्य सीखने के अंतर को कम करने के

विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों के रूप में डॉ. दीपा देशपांडे एवं डॉ. रामकृष्ण येलामांची ने अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता साझा की। फ्रीलांस ट्रेनर एवं कंटेंट स्पेशलिस्ट डॉ. दीपा देशपांडे ने शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, इंटरैक्टिव कक्षा वातावरण, डिजिटल लर्निंग रणनीतियों एवं विद्यार्थियों को सक्रिय अधिगम से जोड़ने के प्रभावी तरीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने शिक्षकों को वर्तमान पीढ़ी के विद्यार्थियों की सीखने की आवश्यकताओं को समझने एवं उनके अनुरूप शिक्षण शैली विकसित करने पर बल दिया। भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय प्रमाणित प्रशिक्षक, लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. रामकृष्ण येलामांची ने नेतृत्व विकास, प्रभावी संचार, शिक्षक की भूमिका में मार्गदर्शक नेतृत्व तथा संस्थागत उत्कृष्टता पर विस्तृत सत्र आयोजित किए। उन्होंने भारतीय वायु सेना में अपने 23 वर्षों के अनुभव तथा देशभर में एक लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों को प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने समूह गतिविधियों, चर्चा सत्रों, केस स्टडी, इंटरैक्टिव प्रेजेंटेशन एवं व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम ने शिक्षकों को नई शिक्षण तकनीकों को अपनाने एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रभावी रणनीतियों को लागू करने के लिए प्रेरित किया।

दो दिन में हाथी के हमले से दो युवकों की मौत..मुआवजे की मांग को लेकर चक्काजाम

कल्याणपुर चौक पर शव रखकर ग्रामीणों का प्रदर्शन,प्रशासन के आश्वासन के बाद खुला मार्ग

-संवाददाता-
बिश्रामपुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बिश्रामपुर क्षेत्र में हाथी के हमले से दो दिन के भीतर दो युवकों की मौत से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। पहली घटना बुधवार शाम लटोरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्याणपुर के कोटबहरा गांव में हुई, जबकि दूसरी घटना गुरुवार को घाघीटिकरा में सामने आई। लगातार हो रही घटनाओं के बाद ग्रामीणों ने मुआवजे और सुरक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार,कोटबहरा निवासी केशव भोई (पिता साधु भोई) मजदूरी का काम करता था। बुधवार शाम वह बाइक से अपनी सहकर्मी महिला को उसके घर छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान जंगल में दल से बिछड़े हाथी से उसका सामना हो गया। बचने की कोशिश के

बावजूद हाथी ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार महिला किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रही, हालांकि वह तार फेंसिंग में फंसकर घायल हो गई। हाथी ने बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

दूसरे दिन फिर गई एक जान

गुरुवार को हाथी ने ग्राम पंचायत अखोराकला के घाघीटिकरा निवासी 45 वर्षीय सोहन सिंह (पिता जगरनाथ सिंह) को भी कुचलकर मार डाला। दो दिन में दो मौतों से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

शव रखकर किया चक्काजाम

बुधवार रात पुलिस और वन विभाग की टीम शव उठाने पहुंची, लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने शव उठाने नहीं दिया। पूरी रात परिजन और ग्रामीण जंगल में शव की रखवाली करते रहे। गुरुवार सुबह भी जब प्रशासन की टीम पोस्टमार्टम के लिए पहुंची तो ग्रामीणों ने विरोध किया। कई दौर की बातचीत विफल रहने पर ग्रामीण शव लेकर कल्याणपुर चौक पहुंचे और मुख्य सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। करीब सवा घंटे तक चले प्रदर्शन से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मौके पर सूरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल, एसडीओ वन अशोक तिवारी, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, तहसीलदार सुरेंद्र साय पैकरा, रेंजर उमेश वस्त्राकार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल और वन अमला पहुंचा।

आश्वासन के बाद खत्म हुआ प्रदर्शन : प्रशासन ने मृतक के परिजन को तत्काल 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने, अन्य मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने और मृतक की पत्नी को लटोरी डिपो में अस्थायी रोजगार देने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया और शव का पोस्टमार्टम कराया।

वन विभाग पर लापरवाही के आरोप

ग्रामीणों ने वन विभाग और हाथी मित्र दल पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। उनका कहना है कि हाथी की लोकेशन की जानकारी समय पर नहीं दी जाती,जिससे ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। ग्रामीणों ने मृतक परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा,स्थायी नौकरी और गांव में टॉर्च, हाईमास्ट लाइट व झटका फेंसिंग की मांग की है। जिला पंचायत सदस्य किरण केराम ने कहा कि कोटबहरा और अखोरा क्षेत्र लंबे समय से हाथी प्रभावित डेंजर जोन बना हुआ है, लेकिन बार-बार मुद्दा उठाने के बावजूद वन विभाग द्वारा प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

साड़ी घोटाले को लेकर महिला कांग्रेस का हल्लाबोल मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का पुतला फूंका

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए साड़ी वितरण में हुई अनियमितताओं को लेकर सियासत गरमा गई है महिला कांग्रेस ने इस मामले को साड़ी घोटाला करार देते हुए मोर्चा खोल दिया है छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को साड़ी वितरण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर सूरजपुर के अग्रसेन चौक पर महिला कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का पुतला दहन किया महिला कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष आनंद कुंवर एवं महिला कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष दीप्ति स्वाई के संयुक्त नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का पुतला दहन किया गया बड़ी संख्या में जुटी महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंगनबाड़ी बहनों को बांटी जा रही साड़ियों की गुणवत्ता बेहद खराब है और इनकी सप्लाई में भारी वित्तीय अनियमितता बरती गई है प्रमुख आरोप और मांगें।

प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्षों ने मीडिया से चर्चा करते हुए निम्नलिखित गंभीर आरोप लगाए जैसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दी गई साड़ियों का स्तर बेहद निम्न है जो वितरण के मानकों के विपरीत है,साड़ी सप्लाई के ठेके और खरीद प्रक्रिया में बड़े स्तर पर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के दावे किए गए हैं महिला कांग्रेस ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है पुतला दहन के पश्चात महिला कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि इस साड़ी घोटाले की निष्पक्ष जांच कर त्वरित कार्यवाही नहीं की गई तो आने वाले समय में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा इस दौरान बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहीं जिन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान और हक की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया इस दौरान पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह,शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर,कुसुमलता राजवाड़े, मनोज अग्रवाल,विष्णु कसेरा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, विमला सिंह मरावी,भावना सिंह नेताम,प्रदीप साहू, वीणा शर्मा,अंजना दास,लक्ष्मण कसेरा, सुनीता खाखा,मानमती राजवाड़े,मालती तिग्गा, उर्मिला केरकेट्टा,लक्ष्मी यादव, कमला यादव, तुलसी सिंह,सुल्ताना जरीना,गीता सिंह, बबिता गुप्ता,श्याम बाई, नगेशिया, लिल्ली राजवाड़े,राजेश साहू, लिवनेश सिंह,शिवम साहू,रामचन्द्र राजवाड़े, सुमंत राजवाड़े, नितेश सिंह एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनगणना के सफल संचालन हेतु जनजागरूकता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान प्रारंभ

प्रथम चरण 01 से 30 मई 2026 तक...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार जिले में 16 अप्रैल से स्व गणना शुरू हो गया है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जनगणना 2027 हेतु प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 1 मई से 30 मई 2026 तक संपादित किया जाएगा। वहीं 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 की अवधि में स्वः गणना के प्रचार-प्रसार तथा मकान सूचीकरण एवं गणना संबंधी जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु व्यापक प्रचार अभियान संचालित किया जा रहा है। स्व गणना की शुरुआत के साथ अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री सुनील नायक ने आज निर्धारित पोर्टल से अपना स्व गणना पत्रक ऑनलाइन भरा। अपर कलेक्टर श्री नायक ने बताया कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना पूरी तरह गोपनीय है। सुरक्षित सर्वर पर एन्क्रिप्टेड डेटा रिपोर्ट में सिर्फ कुल आंकड़े प्रकाशित होते हैं,नाम-पता किसी को नहीं दिया जाता। जानकारी टैक्स, पुलिस या जांच में उपयोग नहीं होते। जनगणना से सम्बंधित अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 1855 पर संपर्क कर सकते हैं।

जनगणना का पहला चरण- मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना राज्य में 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। प्रगणक घर-घर आकर जानकारी दर्ज करेंगे, इसमें हर मकान की जानकारी दर्ज की जाएगी। प्रगणक द्वारा घर की स्थिति, सुविधाएँ और मूलभूत जानकारी संकलित की जाएगी।

स्व-गणना की प्रक्रिया

राज्य में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व गणना किया जाएगा। स्व-गणना हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर प्राप्त किया जा सकता है। प्रगणक आपके घर आयें तो उनके साथ से आईडी साझा करें। स्व गणना अनिवार्य नहीं है, स्व-गणना नहीं करते हैं, तो 1 मई से 30 मई 2026 तक की अवधि में प्रगणक आपके घर आकर,जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे।

बलरामपुर पुलिस की जनहित अपील

साइबर ठगों से रहें सावधान, 'लोन ही लोन' पम्पलेट हो सकता है भ्रामक

-संवाददाता-
बलरामपुर/राजपुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर पुलिस के निर्देशानुसार राजपुर पुलिस ने आम जनता के लिए जनहित में अपील जारी करते हुए साइबर ठगी से सतर्क रहने को कहा है। राजपुर क्षेत्र में बस स्टैंड के समीप सार्वजनिक स्थान पर एक भ्रामक पम्पलेट चस्पा किया गया पाया गया है, जिसमें अत्यंत कम ब्याज दर 2 प्रतिशत वार्षिक पर 1 लाख से 5 लाख तक का लोन बिना फाइल चार्ज और बिना गारंटी देने का दावा किया गया है। पुलिस के अनुसार उक्त पम्पलेट में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के बाद क्यूआर कोड के माध्यम से राशि जमा करने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे प्रस्ताव आमतौर पर साइबर ठगी का माध्यम हो सकते हैं। ठग पहले आकर्षक ऑफर देकर लोगों का विश्वास जीतते हैं, फिर प्रोसेसिंग फीस, रजिस्ट्रेशन, बीमा या अन्य शुल्क के नाम पर ऑनलाइन भुगतान कराकर धोखाधड़ी करते हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति या संस्था द्वारा दिए गए लोन ऑफर पर तुरंत विश्वास न करें। क्यूआर कोड स्कैन कर या किसी लिंक के माध्यम से अग्रिम राशि जमा करने से बचें। केवल मान्यता प्राप्त बैंक या वित्तीय संस्थानों से ही ऋण लें। पुलिस ने विशेष चेतावनी देते हुए कहा है कि अत्यधिक कम ब्याज दर, बिना गारंटी और बिना दस्तावेज के लोन देने के दावे प्रायः फर्जी होते हैं। किसी भी प्रकार की शंका होने पर निकटतम थाना या साइबर सेल से तुरंत संपर्क करें। राजपुर पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की है, ताकि किसी भी प्रकार की आर्थिक ठगी से बचा जा सके।

भीषण गर्मी के चलते स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 20 से...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर सहित सरगुजा जिले में पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी का दौर जारी है। तापमान बढ़कर 39.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, वहीं न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण लू की स्थिति बन गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बढ़ते तापमान और लू के प्रभाव को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय,छत्तीसगढ़ ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। संचालनालय ने स्कूल शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजते हुए प्रदेश के सभी शासकीय,अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में 20 अप्रैल से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित कर दी गई है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम, राधा रवि जिला पंचायत सदस्य

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का ज़मीनी स्तर पर जमकर स्वागत हो रहा है। इसी क्रम में जिला पंचायत सरगुजा (क्षेत्र क्रमांक 6) की सदस्य श्रीमती राधा रवि ने इस निर्णय को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

नेतृत्व में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी : श्रीमती राधा रवि ने कहा कि यह अधिनियम केवल एक विधायी बदलाव नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के सम्मान और सामर्थ्य की पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के इस दूरदर्शी निर्णय से अब देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की आवाज़ और भी मज़बूत होगी। यह फैसला इस बात का प्रमाण है कि नया भारत महिलाओं की शक्ति पर भरोसा करता है।

महिलाएं राजनीति के मुख्य पटल पर : जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रवि ने महिलाओं को राजनीति के मुख्य पटल पर लाने और उन्हें सम्मान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि अब देश की बेटियां और महिलाएं नीति-निर्धारण में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए राष्ट्र को नई दिशा देंगी। उन्होंने कहा कि नए भारत की नई सोच के साथ नारी शक्ति अब रुकने वाली नहीं, बल्कि नेतृत्व करने के लिए आगे बढ़ रही है।

महिला शक्ति में हर्ष की लहर

उदयपुर ब्लॉक और सरगुजा जिले की स्थानीय महिला जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। श्रीमती राधा रवि के अनुसार, इस कानून के लागू होने से ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों की महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब सामाजिक बदलाव के साथ-साथ राजनीतिक नेतृत्व के लिए भी तैयार हैं।

जिला अस्पताल बैकुंठपुर में तीसरे वर्ष प्याऊ घर का शुभारंभ

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भीषण गर्मी को देखते हुए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ कोरिया द्वारा जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर परिसर में लगातार तीसरे वर्ष प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। यह पहल मरीजों, उनके परिजनों एवं आमजन के लिए राहत का माध्यम साबित होगी। प्याऊ घर का शुभारंभ गुरुवार को जनपद पंचायत बैकुंठपुर के उपाध्यक्ष प्यारेलाल साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, जिला खेल अधिकारी जितेंद्र कुमार गुप्ता, राज्य मुख्यालय आयुक्त शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल एवं अन्य अतिथियों के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर शीतल शरबत, चना-गुड़ एवं खीरा का वितरण किया गया। कार्यक्रम भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव बृजेश बाजपेई के निर्देशानुसार आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का 17 अप्रैल को विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण और भूमिपूजन

कलेक्टर व्यास एवं एसएसपी श्री सिंह ने तैयारियों का लिया जायजा

कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल और मेडिकल टीम तैयार रखने का दिया निर्देश

-संवाददाता-
जशपुरनगर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का 17 अप्रैल को जशपुर प्रवास संभावित है। मुख्यमंत्री श्री साय जशपुर के रणजीता स्टेडियम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अंतर्गत राज्य को पीएमजीएसवाय के तहत नए स्वीकृत सड़को का भूमिपूजन और विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री जशपुर में बुजुर्गों के डे केयर यूनिट के रूप में विकसित किए गए नवनिर्मित सियान गुड़ी का भी शुभारंभ करेंगे मुख्यमंत्री कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियां जिला प्रशासन ने तेज कर दी हैं। इस संबंध में आज कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह ने रणजीता स्टेडियम पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन की सभी

तैयारी समय सीमा में पूर्ण कर कार्यक्रम के सफल आयोजन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसएसपी ने कार्यक्रम में आमजन की बैठक व्यवस्था, आवागमन, पंडाल निर्माण, पेयजल, शौचालय, लाइटिंग, माइक, मंच सजावट एवं सुरक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री व्यास ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार-विमर्श करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दें। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में पेयजल की व्यस्था स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस और व्ै का पैकेट सहित जरूरी दवाइयां मेडिकल टीम को रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर आवार घूम रहे पशुओं को एकत्रित करने के काऊ केचर रखने के लिए कहा। साथ ही समुचित कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध रूप से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात कलेक्टर, एसएसपी एवं अन्य अधिकारियों ने भागलपुर रोड स्थित रणजीता स्टेडियम के पीछे विकसित किए गए सियान गुड़ी का भी निरीक्षण किया। यह केंद्र बुजुर्गों के लिए डे-केयर सुविधा के रूप में विकसित किया गया है, जहां योग, मनोरंजन, पुस्तकालय एवं कौशल विकास जैसी गतिविधियों की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा इस सियान गुड़ी के लोकार्पण भी प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, सहायक कलेक्टर श्री अनिकेत अशोक फड़तरे, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू जशपुर एसडीएम श्री विश्वास राव मस्के सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर में हुआ अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन....

अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल है एक मूल्यवान अभ्यास,पुलिस व अग्निशमन दल का है एक ही उद्देश्य जीवन बचाना : डीआईजी व एसएसपी

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर बुधवार,15 अप्रैल 2026 को पुलिस लाईन सूरजपुर में नगर सेना के अग्निशमन दल के द्वारा पुलिस अधिकारी व जवानों को अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें आग से बचाव, आपातकालीन स्थितियों से निपटने और आग लगने के दौरान शांत रहने के महत्व पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई, जिले में राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा जागरूकता सप्ताह (14 से 20 अप्रैल) तक आयोजित होंगे जिसके तहत अग्निशमन दल के द्वारा स्कूल, कालेजों, कारखानों व महत्वपूर्ण स्थानों पर आग लगने के दौरान जान-माल की सुरक्षा कैसे कर सकते है उसके लिए डेमो देकर जानकारी साझा की जायेगी। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि जब हम वर्दी धारण कर किसी घटना-दुर्घटना, आग जैसी उत्पन्न आपात स्थिति में राहत और बचाव के लिए पहुंचते है तो सभी को लगता है कि हम सब इस चुनौती से निपटने के लिए प्रशिक्षित है, ऐसे परिस्थिति से निपटने के लिए हमें प्रशिक्षित

होना बेहद जरूरी है ताकि हम लोगों की जान बचा सके,इस ड्रिल में आग से बचाव, आपातकालीन स्थितियों से निपटने और आग लगने के दौरान अपनी और वहां मौजूद लोगों को किस तरह से सुरक्षित बाहर निकाला जाए। ऐसी स्थिति में सावधानी बरतते हुए सुरक्षा को पहले रखें,अगर आग बड़ी है तो सतर्कता बरते, घबराए नहीं, सुरक्षित स्थान पर पहुंचे,अग्निशमन दल के पहुंचने का इंतजार करें। यह ड्रिल सुरक्षा का पूर्वाभ्यास है जिसमें समयबद्धता, समन्वय और शांति महत्वपूर्ण हैं, डीआईजी व एसएसपी श्री ठाकुर ने कहा कि कारखाने,संस्थानों सुनिश्चित करें कि अग्निशामक यंत्र उपलब्ध हों और काम कर रहे हों। अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल एक मूल्यवान अभ्यास है, पुलिस व फायर सर्विस का उद्देश्य एक ही है जीवन बचाना, इस अवसर पर जिला अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता ने बताया कि आग लगने पर सबसे पहले शांत रहकर 101/112 पर कॉल करने,बिजली का मुख्य स्विच बंद करने,और यदि आग छोटी है तो फायर एक्सटिंग्यूशर या गीले कंबल का उपयोग करें। धुएँ से बचने के लिए झुककर बाहर निकलें, भीड़ न लगाएं और निकास मार्ग खुला रखें।

अग्निशमन दल द्वारा सुझाए गए प्रमुख उपाय

अग्नि शमन दल ने बताया कि आग लगने पर तत्काल कार्रवाई करें, आग लगने पर घबराएं नहीं, छोटे स्तर की आग को तुरंत फायर एक्सटिंग्यूशर या रेत/मिट्टी डालकर नियंत्रित करें। बिजली/शॉर्ट सर्किट से लगी आग पर पानी का प्रयोग कभी न करें। सबसे पहले मेन स्विच बंद करें।

अग्निशामक यंत्र के उपयोग के बारे में डिटेल जानकारी दी...

आग लगने पर सुरक्षित निकास के निर्देश अग्नि शमन दल ने बताए और कहा कि बिल्डिंग में आग लगने पर धुएँ से बचने के लिए झुककर या घुटनों के बल बाहर निकलें,लिफ्ट का उपयोग न करें,गैस सिलेंडर की आग पर यदि संभव हो तो सिलेंडर के रेगुलेटर को बंद करें,या रेगुलेटर पर गीला कंबल/बोरी डालकर ऑक्सीजन की आपूर्ति काट दें, सुरक्षित दूरी अपनाए, यदि आग बढ़ रही है,तो तुरंत बाहर निकलें और दमकल के आने तक सुरक्षित दूरी बनाए रखें, इस ड्रिल के दौरान निरीक्षक जावेद मियादांद, राजेन्द्र साहू, उप निरीक्षक अग्निशमन राकेश पांडेय, पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जनकपुर में जागरूकता अभियान,एसपी रत्ना सिंह ने दिया सशक्त संदेश

-संवाददाता-
एमसीबी,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन के उद्देश्य से 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान के तहत जनकपुर में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एकीकृत बाल विकास परियोजना भरतपुर द्वारा कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप संपन्न हुआ। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर जनसमूह को संबोधित किया। थाना परिसर जनकपुर में उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यह कुप्रथा न केवल बच्चों के अधिकारों का हनन करती है, बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर भी गंभीर प्रभाव डालती है। उन्होंने समाज के हर वर्ग-जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से मिलकर इस बुराई को जड़ से खत्म करने का आह्वान किया।

सामुदायिक भवन जनकपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्परिणाम, इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों तथा रोकथाम के प्रभावी उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

चाइल्डलाइन टीम, परियोजना अधिकारी एवं थाना प्रभारी ने संवादात्मक सत्र के माध्यम से उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें जागरूक किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्री माया प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष श्री हीरालाल मौर्य एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

महिला जागृति शिविर में नारी शक्ति वंदन पर हुआ मंथन

महिला आरक्षण विधेयक से पंचायत से संसद तक बढ़ेंगे अवसर, सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

-संवाददाता-
कोरिया,16 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर के मानस भवन में आयोजित जिलास्तरीय महिला जागृति शिविर के तहत नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिला आरक्षण विधेयक पर व्यापक और सारगर्भित चर्चा की गई।कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी सहित महिला जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने भाग लेकर अपने विचार रखे। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि आज की महिलाएं केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी सशक्त बना रही हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को मिले अधिकारों के साथ-साथ निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब पंच,सरपंच,विधायक और सांसद जैसे पदों तक पहुंच रही हैं, लेकिन सच्चा सशक्तिकरण तभी संभव है जब वे आत्मविश्वास के साथ स्वतंत्र निर्णय ले सकें। साथ ही उन्होंने महिलाओं के आर्थिक रूप से मजबूत बनने की आवश्यकता पर भी बल दिया। जिले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. श्रीमती सुरेशा चौबे ने महिलाओं को जागरूक रहने और कानून की जानकारी रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जागरूक और सुरक्षित महिलाएं ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। कार्यक्रम में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा करते हुए महिला जनप्रतिनिधियों ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, सदस्य श्रीमती सौभाग्यवती कुसरो, नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर की अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे और नगर पंचायत पटना की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा लाए गए इस विधेयक का स्वागत किया। मानस भवन में आयोजित

कार्यक्रम में सेल्फी जोन भी बनाया गया था और नारी शक्ति वन्दन के समर्थन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हस्ताक्षर कर इस बिल का समर्थन भी किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ वकील, डॉक्टर, पत्रकार और समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर का उद्देश्य 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के सम्बंध में महिलाओं को जागरूक करना और उन्हें सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना रहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग अंबिकापुर
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक. 2034/NIT-02/2026-27/व.ले.लि./ अम्बिकापुर दिनांक 13/04/2026

निविदा प्रपत्रक्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 06/05/2028 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 12/05/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 13/05/2026 पूर्वाहन 11.00 बजे तक
निविदाकरों की श्रेणी:- एकल पंजीयन में पंजीकृत ''द'' वर्ग ठेकेदार
भवन एस.ओ.आर:- :- 01.01.2015 से प्रभावी तिथि, 16.05.2025 को संशोधित।

एन.आई.टी. क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक सेल्वेन्सी (रू. में) निविदा प्रपत्र की कीमत (रू. में) कार्य की अवधि
1 टी00045	शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय अम्बिकापुर भवन का रिनोवेशन कार्य	8.05 6038.00 120750.00 750.00 04 माह वर्षा ऋतु सहित

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं निविदा संबंधी शर्तों काअवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग अंबिकापुर

जी नंबर-262700187/2

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नाजमा खातून आ0 स्व0 बदरूद्दीन जाति, निवासी मोमिनपुरा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - परांडांड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2484/26 रकबा 0.06 1/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार सोनी आ0 शंकर प्रसाद सोनी जाति सोनार, निवासी भगवानपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला सदर रोड़, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4817/54, 3196/4817/64 रकबा 385.06, 195 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 28-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 13/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-3,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उग्रसेन साहू आ. विष्णु प्रसाद साहू व अन्य 01 निवासी मायापुर, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित भूमि खसरा नं0 139/7 रकबा 0.036 हे0 भूमि का वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03

न्यायालय नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-3,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखदेव राम पैकरा आ0. स्व. दशरू निवासी रुखपुर थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के अपने पिता (स्व दशरू) आ0 जय राम की दिनांक 26/01/2016 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 06-04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण शांति यादव पत्नी स्व0 सुरेश यादव, उम्र- 60 वर्ष, हेमलता यादव पत्नी कुंज बिहारी पुत्री स्व. सुरेश यादव, उम्र 38 वर्ष, निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) व अन्य 02 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति / पिता सुरेश यादव के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 10 मोहल्ला दर्रीपारा स्थित नजूल भूमि भूखण्ड क्रमांक 3757,3758 रकबा क्रमशः 0.053, 0.024 हे0 भूमि है। खातेदार सुरेश यादव की मृत्यु दिनांक 06.03.2026 को हो गई है, जिस कारण आवेदकगण द्वारा उपरोक्तानुसार आवेदित भूमि से मृत्तक खविदार सुरेश यादव का नाम विलोपित कर स्वयं के नाम से फौती नामांतरण किये जाने हेतु मृतक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109 110 छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30 04 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दवा/ पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक,09/04/2026 को मेरे न्यायालयीन गुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी गया।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

कार्यालय नगर पालिक निगम,
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

कमांक 248 / न.पा.नि./ भ.नि.अ./ 2026 अम्बिकापुर,
दिनांक 13/04/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि,दिनांक 17.03.2026 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में अधिकारी एवं व्यपारियों के साथ आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि, नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर क्षेत्रान्तर्गत सार्वजनिक सड़क/सार्वजनिक स्थानों पर खराब एवं कंडम पड़े वाहनों जिसके कारण यातायात जाम एवं सार्वजनिक मार्ग में बाधा उत्पन्न होता है। ऐसे समस्त वाहन स्वामियों को सूचित कर वाहन हटाये जाने हेतु निर्देशित किया जाये।

अतः छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 322 के तहत ऐसे समस्त वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि, किसी भी सार्वजनिक मार्ग अथवा सार्वजानिक स्थल पर रखे गये खराब (कंडम) वाहनों को 07 दिवस की समय सीमा में हटा लेवें, अन्यथा नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 322(3) के तहत् कार्यवाही करते हुये सार्वजानिक मार्ग में रखे गये वाहनों को जप्त कर धारा 322 (4) नीलामी की कार्यवाही की जायेगी।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रमोद कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह आ0 राजेन्द्र बहादुर सिंह जाति, निवासी चोपड़ापारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - नवापारा, विशप हाउस, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/40 रकबा 0.081/4 एकड भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 30-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत - तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक 15-4-2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रामबिलास अग्रवाल आ0 ध्वजाराम अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर -08 मोहल्ला खजूरपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3112/2 रकबा 0.07 एकड भूमि में से रकबा 770 वर्गफीट भूमि को अपने पोता अनावेदक शुभम तायल आ0 विजय तायल, जाति अग्रवाल, निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला- सरगुजा छ0ग0 के पक्ष में दान करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-28.04.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-13/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा, छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती गायत्री ध्रुव पति स्व. पंचराम ध्रुव, निवासी क्वाटर नंबर एच.बी. - 7, पुलिस लाईन, वार्ड नंबर 30, बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा अपने पति स्व. पंचराम ध्रुव जो पुलिस अधीक्षक कार्यालय, अम्बिकापुर में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे जिनकी मृत्यु दिनांक 02.10.2024 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 24/04/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक:- 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 202603021700035 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चन्द्रमनी सिंह आ. गिरधारी पति जवाहिर सिंह, जाति गोड़, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा न0 457/1, 548/1, 575/1, 778, 797 कुल रकबा 1.250 हे0 भूमि का अनावेदक देवेन्द्र आ. रामलाल व अन्य, निवासी ग्राम अजिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/04/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 09/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

शिविरों के आयोजन में 'पक्षपात' या 'सुस्ती'? चुनिंदा गांवों पर मेहरबानी,दूरस्थ अंचलों में शिविरों का टोटा

-संवाददाता-
कोरिया/सोनहत,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सोनहत विकासखण्ड के 42 ग्राम पंचायतों और 104 गांवों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से लगने वाले 'जनसमस्या निवारण शिविर' अब महज एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं। विडंबना यह है कि विकासखण्ड के विशाल भूगोल को समझने के बजाय प्रशासन ने कुछ खास गांवों को ही 'शिविरों का केंद्र' मान लिया है। पिछले कई आयोजनों पर गौर करें तो सोनहत,कटगोड़ी, रामगढ़, घुघरा और बोडार-भैंसवार जैसे सुगम स्थानों पर ही बार-बार शिविर लगाए जा रहे हैं, जबकि वास्तव में जरूरत वाले क्षेत्र आज भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

दूरी बनी बाधा : रामगढ़ सिंघोर पर फोकस,आनंदपुर-अमृतपुर हाशिए पर...

प्रशासनिक अमला बार-बार रामगढ़ जैसे क्षेत्रों में शिविर लगा रहा है, जबकि भौगोलिक स्थिति देखी जाए तो रामगढ़ से कई गांवों की दूरी बहुत अधिक है, यदि यही शिविर आनंदपुर और अमृतपुर जैसे क्षेत्रों में लगाए जाएं, तो लगभग 16 गांवों के ग्रामीणों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकता है। लेकिन शिविर चयन स्थल पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर क्यों बार-बार एक ही परिधि में चक्कर काटा जा रहा है?

कछाड़ी - दमुज में लगे शिविर- दामुज में शिविर लगने से तर्रा बसेर, लब्जी दुधनिया केराझरिया आदि ग्राम के लोगो को लाभ मिलेगा, ऐसे लोग जिनके पास आवागमन की सुविधा नही है वो भी शिविर का लाभ ले सकेंगे, वही कछाड़ी में शिविर लगाने से दूरस्थ ग्राम मझगवां, जोगिया भगवतपुर लोलकी के लोगो को अपनी मांग व शिकायत रखने में बहुत ही आसानी होगी, लेकिन इन ग्रामो के। शिविर मेण्ड्रा में आयोजित किये जाने से बुजुर्ग और बिना वाहन वाले गरीब तबके के लोग नही पहुच पाते हैं।

इन गांवों में 'मुद्दतों' से है शिविर की दरकार

विकासखण्ड के केशगवां,चकडंड,पोड़ी,दमुज,कुशहा,किशोरी और मझारटोला ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ की जनता वर्षों से एक अदद सरकारी शिविर की राह देख रही है, ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्यालय के करीबी गांवों में शिविर लगाकर कोरम पूरा कर लिया जाता है, जबकि सुदूर पहाड़ी और वानांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोग सरकारी योजनाओं की जानकारी से भी वंचित हैं।

मझारटोला और रजौली में शिविर लगा तो होगा बड़ा लाभ

क्षेत्रीय जानकारों और ग्रामीणों की मांग तर्कसंगत है मझारटोल में यदि शिविर लगे तो सोनारी, बसवाहि, रावतसरई, पत्थरगवां और बेलार्ड जैसे दूरस्थ गांवों के हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

रजौली या पोड़ी का विकल्प

यदि यहाँ शिविर का आयोजन होता है तो परिहत, आमहर, कर्री और रजपुरी जैसे बड़े गांवों के ग्रामीणों को मिलों दूर सोनहत या कटगोड़ी नहीं भटकना पड़ेगा।

अधिकारी मौन,जनता परेशान

एक ही स्थान पर बार-बार शिविर लगाने की इस परंपरा ने अब जनता के बीच रोष पैदा कर दिया है, सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन दुर्गम क्षेत्रों में जाने से कतरा रहा है? या फिर कुछ क्षेत्रों को ही लाभ पहुँचाना प्राथमिकता बन गया है? अब देखना यह होगा कि आगामी शिविरों के लिए प्रशासन अपनी सूची में बदलाव कर उन क्षेत्रों को जगह देता है या 'परंपरा' के नाम पर वही पुराना ढर्रा चलता रहेगा।

जन सहयोग समिति ने उठाई मांग...

कागजी आंकलन नहीं, भौगोलिक हकीकत भी देखें- इसी कड़ी में कोरिया जन सहयोग समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जयचन्द सोनपाकर ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित होने वाले इन शिविरों का निर्धारण केवल फाइलों तक सीमित न रहे, उन्होंने कहा कि शिविरों के आयोजन से पूर्व क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थिति और दूरी का सटीक आंकलन किया जाना अनिवार्य है, श्री सोनपाकर ने जोर देते हुए कहा कि जब तक शिविर वंचित और दूरस्थ ग्रामों के बीच नहीं लगाए जाएंगे, तब तक शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचना असंभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल सुगम स्थानों पर शिविर लगाने से उन ग्रामीणों के साथ अन्याय हो रहा है जो दुर्गम रास्तों के कारण इन आयोजनों तक नहीं पहुँच पाते।

इनका कहना है...

प्रशासनिक सुविधा के नाम पर केवल सड़क किनारे के गांवों में शिविर लगाना उन ग्रामीणों के साथ अन्याय है जो जंगल और ऊबड़-खाबड़ रास्तों को पार कर मुख्यालय तक नहीं पहुँच सकते। शिविर का असली उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना है,न कि केवल कागजी खानापूर्ति करना।

ज्योत्स्ना राजवाड़े पूर्व जिलापंचायत सदस्य

कोरिया मे नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम भाजयुमो का हस्ताक्षर अभियान सम्पन्न

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) कोरिया द्वारा गुरुवार को 'नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम' के अंतर्गत आयोजित हस्ताक्षर अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, यह कार्यक्रम भाजयुमो प्रदेश नेतृत्व के आह्वान एवं भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया देवेंद्र तिवारी के निर्देश तथा भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े के नेतृत्व मे आयोजित किया गया,जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन पीजी गर्ल्स कॉलेज, बैकुंठपुर परिसर में किया गया, जहां सुबह से ही कार्यकर्ताओं की उपस्थिति देखने को मिली, अभियान के दौरान छात्राओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को नारी सम्मान,सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर इस अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया,इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम' का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना तथा उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है, उन्होंने बताया कि महिलाओं का सशक्त होना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है,इस तरह के अभियानों के माध्यम से युवाओं में भी सकारात्मक सोच विकसित होती है और वे सामाजिक बदलाव के भागीदार बनते हैं,कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों से संवाद कर महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की, साथ ही,समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया,इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रखर गुप्ता जिला उपाध्यक्ष रमेश तिवारी जिला महामंत्री साक्षी सिंह राजपूत जिला मंत्री मनीष साहू कोषाध्यक्ष रण विजय सिंह रोशन राजवाड़े मूलचंद तीर्थ दास कृष्णा संजू कुशवाहा नरेश राजवाड़े सहित अन्य भाजयुमो के पदाधिकारीगण व छात्र छात्राए भारी संख्या मे उपस्थित रहे, सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई,आयोजन के अंत में सतेंद्र राजवाड़े ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ है और भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे, कार्यक्रम ने समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति जनचेतना बढ़ाने का कार्य किया, जिसे स्थानीय स्तर पर सराहना भी मिली।

मनेंद्रगढ़ आंगनबाड़ी भर्ती पर उठे बड़े सवाल: कार्यकर्ता-सहायिका नियुक्ति में अनियमितता के आरोप,दलालों के संरक्षण की चर्चा

महिला एवं बाल विकास विभाग की भर्ती प्रक्रिया पर शिकायतों की बौछार, योग्य अभ्यर्थियों को बाहर कर नियम विरुद्ध चयन का आरोप

मनेंद्रगढ़ परियोजना में भर्ती प्रक्रिया पर घिरा विभाग

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास विभाग मनेंद्रगढ़ परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय स्तर पर कई अभ्यर्थियों और परिजनों ने आरोप लगाया है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया तथा नियमों को दरकिनार कर चयन सूची तैयार की गई। मामले ने क्षेत्र में चर्चा का विषय बना लिया है।

योग्य अभ्यर्थियों को बाहर करने का आरोप

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कई ऐसे अभ्यर्थी, जो निर्धारित योग्यता और मेरिट में आगे थे,उन्हें चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया,आरोप है कि उनकी जगह आयोग्य या कम पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति कर दी गई, इससे चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता और विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूत्रों के हवाले से दलालों के संरक्षण की चर्चा

सूत्रों के अनुसार, परियोजना कार्यालय मनेंद्रगढ़ में कथित रूप से कुछ बिचौलियों और दलालों के संरक्षण में पूरी भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित किए जाने की चर्चा है, हालांकि इन आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन लगातार मिल रही शिकायतों ने प्रशासनिक हलकों में हलचल जरूर बढ़ा दी है।

सबकी नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर- अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या महिला एवं बाल विकास विभाग और जिला प्रशासन इन शिकायतों को गंभीरता से लेकर जांच बैठाएगा, या फिर मामला कागजों तक सीमित रह जाएगा, यदि आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह भर्ती प्रक्रिया पर बड़ा दाग साबित हो सकता है।

हमने जब महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी मनेंद्रगढ़ से मोबाइल के माध्यम से नियुक्ति के संबंध में जानकारी चाही तो उन्होंने ने साफ तौर पर कहा कि आप कार्यालय आइए मिल बैठकर बात करते हैं, इस तरह का जवाब देते हुए जब हमने ये कहा की मैडम हमें नियुक्ति के संबंध में आपका पक्ष चाहिए हमें बैठकर बात नहीं करनी है हमें आपका पक्ष चाहिए तब उन्होंने ने कहा कि नियुक्ति सही हुई है।

शशि जयसवाल परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास मनेंद्रगढ़

नियम विरुद्ध नियुक्ति के आरोप से बढ़ा विवाद

भर्ती में नियमों के विपरीत नियुक्ति किए जाने के आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है, शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि चयन प्रक्रिया के दस्तावेजों और मेरिट सूची की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं, इससे विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है।

अभ्यर्थियों में आक्रोश,जांच की मांग तेज

भर्ती से वंचित अभ्यर्थियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है, कई लोगों ने उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है, उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से शिकायत को बड़े स्तर तक ले जाएंगे।

'ज्ञान दिवस' के रूप में मनाई गई बाबा साहब की 135 वीं जयंती, गूँजा 'संविधान जिंदाबाद' का नारा

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
एमसीबी जिला एमसीबी के अंतर्गत रानी दुर्गावती गोंडवाना भवन (इमली गोली, डोमनापारा) में एसटी, एससी, ओबीसी महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती को ज्ञान दिवस के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस दौरान भव्य संविधान यात्रा और आमसभा के जरिए समाज को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।

पारंपरिक पूजा और भव्य संविधान यात्रा-कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल (खेड़िया तिराहा) के पास बैगा, भूमका और पंडा द्वारा पारंपरिक पूजा-पाठ के साथ किया गया। इसके पश्चात नगर में भव्य संविधान यात्रा रैली निकाली गई। बाबा साहब के जयघोष और 'संविधान जिंदाबाद' के गगनभेदी नारों के साथ यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रानी दुर्गावती गोंडवाना भवन पहुँची, जहाँ यह एक विशाल आमसभा में परिवर्तित हो गई।

संविधान : समानता और सुरक्षा का कवच-सभा के द्वितीय सत्र का प्रारंभ अतिथियों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन के साथ हुआ।

शरण सिंह (जिलाध्यक्ष, महासंघ)-अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने श्रम साध्य परिश्रम से हमें संविधान रूपी राष्ट्रीय ग्रंथ सौंपा है। उन्होंने वनांचल क्षेत्रों में पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए जल, जंगल और जमीन को कॉर्पोरेट घरानों से बचाने का आह्वान किया।

गुलाब कमरों (पूर्व विधायक एवं मुख्य अतिथि)-बाबा साहब के संघर्षों को याद करते हुए उन्होंने कहा शिक्षा शेरनी का वह दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा, उन्होंने बताया कि 32 डिग्रियां हासिल करने वाले बाबा साहब का जीवन हमें कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है।

दलित-शोषित वर्ग के मसीहा को नमन : रमेश सिंह

उन्होंने बाबा साहब को देश का सच्चा सपूत और शोषित वर्ग का मसीहा बताते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

श्रीमती चंपा देवी पावले (भाजपा जिलाध्यक्ष,एमसीबी)

उन्होंने बाबा साहब के मूल संदेशों और विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि हर नागरिक जागरूक होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ा हो सके।

प्रमुख उपस्थिति एवं आभार

सभा को अधिवक्ता राम नरेश पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, प्रवक्ता राम गोपाल रवि और ध्रुपद चौहान ने भी संबोधित किया,कार्यक्रम में जिले भर से आए सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एमसीबी जिले को बड़ी सौगात : स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से 40 साल बाद गठित हुईं 5 नई सहकारी समितियां...

-संवाददाता-
एमसीबी,16 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के किसानों के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ आया है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के सतत प्रयासों के फलस्वरूप, एम.सी.बी. जिले में 40 वर्षों का लंबा इंतजार खत्म हुआ और 5 नवीन प्राथमिक कृषि शाखा सहकारी समितियों का विधिवत शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल शुभारंभ

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डिजिटल माध्यम से राज्य की कुल 515 और जिले की इन 5 नई समितियों का वर्चुअल उद्घाटन किया। जिले की ये समितियां बरदर, रतनपुर, सिंघत, बंजी और कुंवारपुर में स्थापित की गई हैं, जहाँ एलईडी स्क्रीन के माध्यम से ग्रामीणों ने इस ऐतिहासिक पल को लाइव देखा।

किसानों की राह हुई आसान

विकासखंड खड़गवां में अब तक केवल दो समितियां (खड़गवां और कोड़ा) ही कार्यरत थीं, अब इनकी संख्या बढ़कर 5 हो गई है, भौगोलिक दूरी और काम के भारी दबाव के कारण किसान लंबे समय से नई समितियों की मांग कर रहे थे,इन समितियों के शुरू होने से अब किसानों को खाद और बीज के लिए लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी, धान खरीदी केंद्रों तक की लंबी दूरी तय नहीं करनी होगी,प्रधानमंत्री फसल बीमा और बिना ब्याज के केसीसी ऋण का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

ग्रामीणों में उत्साह का माहौल

नई समितियों के गठन की घोषणा और शुभारंभ के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव जैसा माहौल देखा गया, किसानों और ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और इस पहल के लिए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि,भारी संख्या में किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

बॉलीवुड के सुपरहिट सिंगर ने गुपचुप रचाई शादी

बचपन की दोस्त को बनाया हमसफर

बॉलीवुड सिंगर जुबिन नॉटियाल भी शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने गुपचुप सेरेमनी में अपनी बचपन की दोस्त संग शादी रचा ली है। बॉलीवुड के स्टार सिंगर जुबिन नॉटियाल ने शादी रचा ली है। इसकी तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें वे एक सीक्रेट सेरेमनी में शादी की रस्में निभाते दिख रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जुबिन ने उत्तराखंड में अपने पैत्रक गांव में अपनी बचपन की दोस्त संग फेरे लेकर शादी रचा ली है। इसका वीडियो सामने आते ही फैन्स की बधाइयां भी आने लगीं।

कौन हैं जुबिन नॉटियाल की पत्नी?

टाइम्स की रिपोर्ट की मानें तो जुबिन ने हाल ही में उत्तराखंड में एक सीक्रेट सेरेमनी में शादी रचा ली है। इस शादी में जुबिन के परिवार के साथ कुछ करीबी दोस्त शामिल हुए थे। यहां कोई भव्य तामझाम की जगह काफी सादगी से सारी रस्में निभाई गई थीं। जुबिन की अपनी पत्नी के साथ कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें जुबिन मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि जुबिन की पत्नी उनकी बचपन की दोस्त हैं और दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में थे। हालांकि अभी तक जुबिन ने इसकी तस्वीरें अपने फैन्स के साथ शेयर नहीं की हैं।

फैन्स ने दी बधाई

जुबिन की शादी की तस्वीरों को पैपराजी अकाउंट विरल भयानी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटो शेयर की हैं। इन तस्वीरों में जुबिन शादी की रस्में निभाते दिख रहे हैं। जुबिन की इन तस्वीरों को देखते ही फैन्स ने भी उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया है। इस पोस्ट के कमेंट्स में फैन्स ने सिंगर को बधाई देते हुए नई जिंदगी की शुरुआत के लिए प्रार्थना भी की है। साथ ही फैन्स के बीच जुबिन की पत्नी के बारे में जानने की जिज्ञासा भी साफ देखने को मिली। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि जुबिन की पत्नी कौन हैं और दोनों की लवस्टोरी की क्या शुरुआत रही है। अब देखना होगा कि जुबिन ये खुशखबरी अपने फैन्स के साथ कब तक शेयर करने वाले हैं।

111 से ज्यादा फिल्मों और एल्बम में दी आवाज

जुबिन बॉलीवुड के एक हिट सिंगर माने जाते हैं और अब तक दर्जनों सुपरहिट गाने भी दे चुके हैं। इतना ही नहीं अब तक 111 से ज्यादा फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में अपने सुरों का समां बांध चुके हैं। बीते दिनों रिलीज हुई फिल्म धुरंधर 2 में आखिरी इश्क नाम का गाना जुबिन ने अपनी आवाज से सजाया था। इससे पहले भी जुबिन ने बॉलीवुड फिल्मों में दर्जनों सुपरहिट गाने दिए हैं। अब जुबिन अपनी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।

खत्म हुई कृष्णा अभिषेक की मामी सुनीता से तकरार

14 साल बाद हुआ गोविंदा फैमिली का रीयूनियन

गोविंदा के परिवार में सालों से चली आ रही तकरार अब खत्म हो गई है। सुनीता आहूजा और कृष्णा अभिषेक के बीच रीयूनियन हो गया है। 14 साल बाद सुनीता कृष्मा और कश्मीरा के साथ नजर आई।गोविंदा के परिवार में पिछले 14 सालों से चली आ रही के वाहट आखिरकार खत्म हो गई है। हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो ने फैंस को चौंका दिया, जब कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह को अपनी मामी, सुनीता आहूजा के साथ बेहद खुशमिजाज अंदाज में देखा गया। सालों पुराने इस झगड़े को भुलाकर परिवार अब हंसी के ठहाकों के साथ आगे बढ़ने को तैयार नजर आ रहा है। फैमिली रीयूनियन देखकर फैंस भी काफी उत्साहित हैं। कृष्णा अभिषेक ने भी साफ कह दिया है कि अब 14 साल का वनवास खत्म हो गया है।

सुनीता आहूजा और कृष्णा-कश्मीरा का भावुक मिलन

बुधवार को मुंबई में लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3 के सेट पर एक ऐतिहासिक नजारा देखने को मिला। सालों से एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखने वाले कृष्णा अभिषेक और उनकी मामी सुनीता आहूजा आखिरकार एक साथ नजर आए। इस दौरान न केवल उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया,बल्कि पैपराजी के सामने जमकर पोज भी दिए। दिलचस्प बात यह रही कि इस खास मौके पर कृष्णा, कश्मीरा और सुनीता तीनों ही तालमेल बिठाते हुए मैचिंग आउटफिट्स में दिखाई दिए, जिसने इस मिलन को और भी यादगार बना दिया।

4 साल का वनवास हुआ खत्म

इस मुलाकात के दौरान सुनीता आहूजा ने अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में कहा, 14 साल के बाद आज वनवास खत्म हुआ है। उनकी इस बात पर कृष्णा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। वहीं कश्मीरा शाह ने चुटकी लेते हुए कहा कि अब किसी और का वनवास शुरू होगा। इस पारिवारिक मिलन पर खुशी जाहिर करते हुए सुनीता ने आगे कहा कि अब इस पुनर्मिलन को देखकर किस-किस की जलेगी, यह तो भगवान ही जाने। कृष्णा अभिषेक ने इस मुलाकात को एक बड़ा सरप्राइज बताया। उन्होंने साझा किया कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी मामी शो का हिस्सा बनेंगी। उन्होंने सुनीता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कदम के साथ ही पिछले 12-14 सालों से मीडिया में चल रही सभी अटकलों और अफवाहों पर अब पूर्णविराम लग गया है।

आखिर क्यों आई थी दूरियां?

कृष्णा और गोविंदा के परिवार के बीच यह अनबन तब शुरू हुई थी जब गोविंदा ने टीवी पर कृष्णा द्वारा उन पर किए गए चुटकुलों पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद सुनीता आहूजा ने कृष्णा के परिवार से पूरी तरह दूरी बना ली थी। विवाद तब और गहरा गया जब कश्मीरा शाह ने पैसों के लिए नाचने वाले लोगों को लेकर एक ट्वीट किया, जिसे सुनीता ने गोविंदा पर कटाक्ष मान लिया था। पिछले कुछ सालों में यह झगड़ा सार्वजनिक बयानों तक पहुंच गया था,जहां कृष्णा ने गोविंदा पर अस्पताल में उनके बच्चों से न मिलने का आरोप लगाया तो वहीं गोविंदा ने अपने भांजे को झूठा तक कह दिया था। यहां तक कि 2024 की शुरुआत में सुनीता ने कपिल शर्मा के शो में न जाने का कारण भी कृष्णा और कश्मीरा की मौजूदगी को बताया था। हालांकि कृष्णा पिछले कुछ समय से लगातार इंटरव्यूज के जरिए सुलह की कोशिश कर रहे थे, जो अब सफल होती दिख रही है।

हथौड़ा त्यागी की पत्नी खूबसूरती और स्टाइल में बॉलीवुड हसीनाओं को देती हैं टक्कर

अभिषेक बनर्जी अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। अपने अभिनय के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है, लेकिन उनकी पत्नी ग्लैमर की दुनिया से नहीं हैं, लेकिन खूबसूरती और फैशन के मामले में वह बॉलीवुड अभिनेत्रियों को भी टक्कर देती हैं। अभिषेक बनर्जी अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर हैं। पाताल लोक से लेकर स्टोलन तक में उन्होंने अपने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। %पाताल लोक में निभाया उनका हथौड़ा त्यागी का किरदार अब तक दर्शकों के दिलों में बसा है। पिछले दिनों वह स्त्री 2 में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी और थामा में भी उनका कैमियो था। अपने अभिनय के दम पर अभिषेक बनर्जी ने खूब पॉपुलैरिटी बटोरी है, लेकिन क्या आप उनकी पत्नी को जानते हैं? अभिषेक की पत्नी का नाम टीना नोरोन्हा है, जो बेहद प्रतिभाशाली हैं, लेकिन एक एक्टर की पत्नी होने के बाद भी वह लाइमलाइट और चकाचौंध की दुनिया से दूर रहती हैं। हाल ही में अभिषेक और टीना को साथ में स्पॉट किया गया, जहां उनकी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को देख सभी हैरान रह गए।

घुंघराले बाल और प्यारी मुस्कान

सेलिब्रिटी पैपराजी विरल भयानी ने अभिषेक बनर्जी का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी पत्नी टीना के साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान टीना ने जहां ग्रे टॉप और ब्लैक स्कर्ट पहनी थी, वहीं अभिषेक ब्राउन पैंट और व्हाइट टी-शर्ट में स्टाइलिश अंदाज में दिखाई दिए। दोनों ने साथ पोज दिए और फिर आगे बढ़ गए। इस वीडियो के सामने आते ही अब यूजर हैरानी जाहिर कर रहे हैं कि इतनी खूबसूरत होते हुए भी टीना अभिनय से दूर क्यों हैं। कई ने तो यहां तक कह दिया कि टीना खूबसूरती के मामले में कई बॉलीवड हसीनाओं से आगे हैं।

कैसे शुरू हुई लव स्टोरी?

अभिषेक और टीना की लव स्टोरी एक क्रिएटिव प्रोजेक्ट में साथ करने के दौरान शुरू हुई, जहां शुरुआती मुलाकातें एक अलग राह पर चल पड़ीं। हालांकि, अभिषेक के लिए टीना को इंप्रेस करना आसान नहीं था। टीना ने शुरू में अभिषेक में इंटरेस्ट नहीं दिखाया। लेकिन अभिषेक ने हार नहीं मानी। लगभग छह महीनों तक, वह टीना से कॉन्टेक्ट में रहे और उन्हें लेकर रिस्पेक्ट और एडमिरेशन करते रहे। छह महीने बाद, टीना ने भी आखिरकार अभिषेक से अपनी भावनाओं को साझा किया, जिससे एक रिश्ते की शुरुआत हुई जो 2014 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए।

खेल समाचार

वैभव सूर्यवंशी की राह में बड़ी अड़चन

वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में शामिल करना चयनकर्ताओं के लिए आसान नहीं है... सबसे बड़ा सवाल है कि किसी बाहर करके वैभव के लिए जगह बनाई जाए... वहीं यशस्वी जायसवाल भी अभी बाहर हैं...

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2026। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग काफी तेजी से हो रही है। आईपीएल में वैभव छक्के-चौकों की बरसात कर रहे हैं। बड़े-बड़े गेंदबाज उनके सामने स्ट्रगल करते नजर आए हैं। इस आईपीएल सीजन में वैभव दो फिफ्टी लगा चुके हैं। रिपोर्ट्स में दावा भी किया जा रहा है कि वैभव आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया के लिए डेब्यू कर सकते हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार वैभव को टी20 स्पेशलिस्ट की 35-सदस्यीय सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें दौरे के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। हालांकि टीम कॉम्बिनेशन की वजह से उनके चयन पर अभी भी अनिश्चित के बादल हैं। भारतीय टीम को

जुलाई में इंग्लैंड में वनडे और टी 20 सीरीज खेलनी है। उससे पहले जून के अंत में आयरलैंड में टी 20 सीरीज होगी। बीसीसीआई के सूत्र ने पी टी आई से कहा, बीसीसीआई के लॉजिस्टिक्स विभाग ने चयन कर्ताओं से कम से कम 35 ऐसे नामों की सूची मांगी, जिनके आयरिश वीजा की प्रक्रिया पूरी की जानी थी। टीम का पहला पड़ाव इंग्लैंड नहीं,बल्कि आयरलैंड होगा, इसलिए केवल यूके वीजा से काम नहीं चलेगा। सभी को एक अलग आयरिश वीजा की आवश्यकता होगी।

टॉप-3 ने फाइनल में रन बनाए थे...

टी20 विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम के टॉप-3 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन ने विस्फोटक बैटिंग की थी। अगर वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल किया जाता है तो इनमें से किसी को बाहर करना होगा। सूत्र ने कहा-चयन समिति को पूरा यकीन है कि वैभव अब पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन दूसरी तरफ संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भी मौजूद हैं। ये तीनों ही टी20 विश्व कप के फाइनल अर्धशतक जड़े थे। अगर आप चौथे ओपनर की बात करें, तो यशस्वी जायसवाल भी इस दौड़ में शामिल हैं।

कप्तान सूर्या खुद फॉर्म में नहीं

अभिषेक,ईशान और संजू में से किसी एक को ड्रॉप किया जाता है तो सवाल कप्तान सूर्यकुमार यादव पर भई उठेंगे। वह 2024 टी20 विश्व कप से उनका इस फॉर्म में औसत 20 से भी कम का है। सूत्र ने कहा-वैभव तैयार हैं, लेकिन चयनकर्ताओं को अभिषेक या संजू को टीम से बाहर करने के लिए बहुत ठोस कारण देने होंगे। क्योंकि अगर आप इन दोनों में से किसी एक को भी बाहर करते हैं, तो यह सवाल उठता है कि सूर्यकुमार अपनी जगह कैसे बनाए हुए हैं?

टूर्नामेंट से पहले और दौरान खिलाड़ियों ने नाम वापस लिया

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2026। उन्नीसवें सीज़न में कई टीमें चोटों से परेशान हैं। कुछ खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही छोड़ चुके हैं, वहीं हाल ही में दो और खिलाड़ियों ने आईपीएल छोड़ दिया है। चेन्नई सुपर किंग्स के पेसर खलील अहमद,जिन्होंने अपनी दूसरी जीत के साथ आराम लिया था, अब अपनी सर्विस खो देंगे। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के पेसर अथर्व अंकोलेकर, जो चोट से जूझ रहे हैं, ने भी नाम वापस ले लिया है। मुंबई ने इस लड़के की जगह 21 साल के कृष भगत को लिया है, जो घरेलू क्रिकेट में चमक रहे हैं।

हर सीज़न में फेवरेट रहने वाली मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स इस बार निराश कर रही हैं। खास खिलाड़ियों का फेल होना.. पेसरों की चोटें इन दोनों टीमों को परेशान कर रही हैं। आईपीएल जिसने घरेलू मैदान पर दो जीत के साथ अपनी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखी थीं, को एक अचानक झटका लगा है। चेन्नई, जिसने पहले ही पेसर नाथन एलिस की सर्विस खो दी है.. पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की गैरमौजूदगी एक समस्या बन गई है। इसके अलावा, सीनियर पेसर खलील अहमद अब बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे खलील आईपीएल से बाहर हो गए हैं, आईपीएल काशी विश्वनाथन ने क्रिकबज को बताया। खलील, जो कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में 4 ओवर भी नहीं फेंक पाए

थे, पूरे सीजन के लिए बाहर हो गए हैं। उनकी जगह कौन लेगा? सीएसके ने अभी तक फाइनल नहीं किया है। नेट बॉलर के तौर पर मुंबई इंडियंस ने भी अपनी टीम में बदलाव किए हैं। उन्होंने चोटिल युवा स्पिनर अथर्व अंकोलेकर की जगह पंजाबी पेसर कृष भगत को शामिल किया है। भगत, जिन्होंने पंजाब के लिए 7 फर्स्ट क्लास मैच और 9 लिस्ट, मैच खेले हैं, पिछले दो सीजन से मुंबई के नेट बॉलर रहे हैं। अब, वह अचानक मुंबई टीम में शामिल हो गए हैं। अथर्व को किस तरह की इंजरी हुई थी? फ्रेंचाइजी ने इसका खुलासा नहीं किया है।

बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी रुबेल हुसैन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

ढाका,16 अप्रैल 2026। बांग्लादेश के क्रिकेटर रुबेल हुसैन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। पिछले कुछ दिनों से चोटों से जूझ रहे रुबेल ने तीनों फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। पांच साल पहले अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेलने वाले इस पेसर ने अपने रिटायरमेंट की खबर फेसबुक पर अपने फैंस के साथ शेयर की। अपने ओडीआई डेब्यू में चार विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी बॉलर बनकर इतिहास रचने वाले रुबेल अब डोमेस्टिक क्रिकेट पर फोकस करेंगे।

बांग्लादेश,जिसने एक बच्चे के तौर पर इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था, आज शानदार जीत के साथ एक मजबूत टीम बन गई है। इस प्रोसेस में, रुबेल जैसे पेसर बांग्लादेश क्रिकेट की रीढ़ बन गए हैं। 2009 में अपना पहला ओडीआई खेलने वाले इस पेसर ने चार विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया था। वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट लेकर चर्चा में आए रुबेल ने अपने लंबे करियर का

अंत कर दिया। एक तरफ चोटें उन्हें परेशान कर रही हैं। चूंकि लड़के नेशनल टीम में जम चुके हैं, इसलिए इस स्पीडस्टर को लगा कि अलविदा कहने का यह सही समय है। मैं एक पेस बॉलर रुबेल हुसैन हूँ। मैंने बांग्लादेश के लिए 27 टेस्ट, 104ओडीआई और 28 टी20 आई खेले हैं। मुझे नेशनल टीम के लिए खेलना पसंद है। लेकिन, किसी समय, मुझे इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ना होगा। मैं इसी इरादे से रिटायर हो रहा हूँ। हालाँकि.. मैं डोमेस्टिक क्रिकेट खेलता रहूँगा। इस मौके पर, मैं अपने परिवार,दोस्तों,मीडिया और फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वे मुझे सपोर्ट करते रहेंगे,रुबेल ने अपने फेयरवेल मैसेज में कहा। रुबेल, जिन्होंने सभी फॉर्मेट में एक अहम बॉलर के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया है, ओडीआई में भी शानदार रहे हैं। उन्होंने 34.31 की एवरेज से 129 विकेट लिए हैं,जिससे वह ओडीआई में बांग्लादेश के लिए पाँचवें सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन गए हैं।

इंडियन रेसिंग की होनहार अतीका मीर ने एक बड़ा सपना जीने की हिम्मत दिखाई

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2026। स्पैनिश राइटर मिगुएल डे सर्वेंटेस ने एक बार कहा था नामुमकिन को पाने के लिए, इंसान को अजीब चीज़ें करने की कोशिश करनी पड़ती है। और यह बात अतीका मीर के मामले में सबसे ज़्यादा सच है। इंडियन रेसिंग की यह होनहार लड़की, जो अभी सिर्फ़ 11 साल की है,शायद रुकावटें तोड़ना शब्दों का मतलब पूरी तरह से नहीं समझती, लेकिन वह मेल-डोमिनेटेड कार्टिंग सीन में अपना नाम बनाते हुए सोशल और कल्चरल नॉर्म्स को चैलेंज कर रही है।

अतीका के लिए,यह रेस ट्रैक पर बस एक और दिन जैसा लग सकता है-- एक्सेलरेटर दबाना, 125 किमी/प्रघं से ज़्यादा की स्पीड से गाड़ी चलाना, फिनिश लाइन पार करना और पोडियम पर जश्न मनाना। हालांकि, जैसे-जैसे वह फॉर्मूला वन तक पहुंचने के अपने बड़े सपने को पूरा करती रहेगी, यह सपना और बढ़ेगा, एक ऐसा मुकाम जहां इतिहास में सिर्फ़ पांच महिलाएं ही पहुंच पाई हैं।

मुझे नहीं लगता कि यह ट्रैक पर या ज़िंदगी में तोड़ने वाली कोई रुकावट है,स्टीरियोटाइप इसे ऐसा ही कह सकते हैं। वह आगे कहती हैं, रेसिंग के दौरान मैं हर कार को एक नंबर की तरह मानती हूँ। मैं बस जीतना चाहती हूँ, इसलिए मैं दूसरे लोगों के बारे में सोचने के बजाय खुद पर ध्यान देती हूँ। मेरा लक्ष्य असल में फार्मूला-1 में एंटर करना और जीतना है।

श्रीनगर में जन्मी यह रेसर इंटरनेशनल ओके-एनजी क्लास (उम्र 12-14) में सातवें स्थान पर है, जिससे वह रैंकिंग में सबसे ऊँची रैंक वाली महिला बन गई है। अतीका फ ार्मूला-1 एकेडमी से सपोर्ट पाने वाली पहली भारतीय भी हैं, और उनके असाधारण टैलेंट के बावजूद, उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी से जूनियर क्लास में तेज़ी से शामिल किया गया। और नतीजा? मार्च में वालेंसिया में चैंपियंस ऑफ़ द फ्यूचर एकेडमी सीरीज़ के पहले राउंड में पोडियम पर फ़िनिश।

बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड पर 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की

म्यूनिख,16 अप्रैल 2026। बायर्न म्यूनिख के लुइस डियाज़ और माइकल ओलिस ने आखिरी क्षणों में गोल करके मेज़बान टीम को चैंपियंस लीग क्वार्टर-फ़ाइनल में रियल मैड्रिड पर 4-3 से रोमांचक जीत दिलाई और रोमांचक टाई के बाद कुल स्कोर 6-4 से अंतिम चार में पहुँचा दिया। डियाज़ ने 89 वें मिनट में और ओलिस ने स्टॉपेज टाइम में गोल करके बायर्न की सेमीफ़ाइनल में जगह पक्की कर दी,जहाँ उनका मुकाबला मौजूदा पेरिस सेंट जर्मेन से होगा। रोमांचक पहले हाफ़ में,रियल ने तीन बार बढ़त बनाई, जिसमें अर्डा गुलर ने पहले मिनट में बायर्न के कीपर मैनुअल न्यूएर की एक बड़ी गलती का फ़ायदा उठाया और फिर 29 वें मिनट में बायर्न के एलेक्ज़ेंडर पावलोविच के हेडर से बराबरी करने के बाद फ़्री किक को टॉप कॉर्नर में मार दिया। हैरी केन ने स्पेन में पहले लेग में 2-1 से जीतने वाली मेज़बान टीम को इस सीज़न में अपने 12 वें गोल से बराबरी पर ला दिया, इससे पहले मेहमान टीम ने विनीसियस जूनियर के ज़रिए गोल किया, जिन्होंने 42वें मिनट में काइलियन एम्बाप्पे के लिए एक परफेक्ट असिस्ट करके स्कोर 3-2 कर दिया। रियल की टीम 86वें मिनट में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई,जब सब्स्टीट्यूट एडुआर्डो कैमाविंगा को दूसरी बुकिंग मिली और बायर्न ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया।

मुख्यमंत्री ने जनगणना 2027 के तहत ऑनलाइन स्व-गणना कर राज्य स्तरीय अभियान का किया शुभारंभ

देश और राज्य के भविष्य की दिशा तय करने का आधार है जनगणना : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 16 अप्रैल 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में जनगणना 2027 के तहत ऑनलाइन स्व-गणना कर जनगणना अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर नागरिकों को इस राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भारत में विश्व का सबसे बड़ा जनगणना अभियान संचालित हो रहा है और छत्तीसगढ़ में भी आज से ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इस बार जनगणना को आधुनिक और डिजिटल स्वरूप दिया गया है,जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुलभ हो सके।

गोपनीय रखी जाती है जानकारी

उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि जब भी प्रगणक घर आएं,तो उन्हें सही, स्पष्ट और पूर्ण जानकारी दें,क्योंकि प्रत्येक जानकारी राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जनगणना के दौरान दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय एवं नीतिगत उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा।

एक मई से घर-घर जाकर जानकारी लेंगे प्रगणक

सीएम साय ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश और राज्य के भविष्य की दिशा तय करने का आधार है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार आने वाले वर्षों की योजनाएं तैयार करती है, ताकि विकास का लाभ हर वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 मई 2026 से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा, जिसमें मकान सूचीकरण और गणना का कार्य किया जाएगा। 30 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर आवासीय और गैर-आवासीय भवनों, उनकी स्थिति, उपयोग तथा बुनियादी सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई गैस, इंटरनेट और संचार व्यवस्था से संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे।

जनगणना अभियान में जनता से सहयोग करने की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' के संकल्प को साकार करने में जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका है। सही आंकड़े ही बेहतर योजना और प्रभावी विकास की नींव रखते हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस महाअभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाने और सक्रिय सहयोग देने की अपील की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव तथा जनगणना के नोडल मनोज कुमार पिंगुआ, कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह, संचालक जनगणना कार्तिकेय गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग में लाखों का गबन उजागर
एक गिरफ्तार,कई सवाल अब भी बरकरार

बिलासपुर, 16 अप्रैल 2026। शिक्षा विभाग में लगभग 29.62 लाख रुपये के कथित गबन का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में कोटा थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है,जबकि एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। हालांकि,इस कार्रवाई के बाद भी कई बड़े अधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं,जिन पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यह मामला कांग्रेस नेता अंकित गौरहा की शिकायत के बाद उजागर हुआ। उन्होंने मुख्य सचिव, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर नरेंद्र प्रसाद मिश्रा की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एक आरोपी गिरफ्तार,दूसरा फरार...

पुलिस के अनुसार,थाना कोटा में अपराध क्रमांक 171/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है।इसमें भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच में सामने आया कि शासकीय कर्मचारी रहते हुए आरोपियों ने वेतन और अन्य भत्तों में हेराफेरी कर सितंबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच 29 लाख 62 हजार 222 रुपये का गबन किया। इस मामले में आरोपी देवेंद्र कुमार पालके (38 वर्ष), निवासी धरमपुरा, करगी रोड कोटा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। वहीं, सहायक ग्रेड-02 के पद पर कार्यरत नवल सिंह पैकरा अभी भी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

बड़े अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल.. कार्रवाई के बावजूद मामला कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। शिकायत में तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी कोटा और वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी

विजय टांडे की भूमिका को लेकर भी आरोप लगाए गए थे। आरोप है कि यह पूरा वित्तीय अनियमितताओं का मामला उनके कार्यकाल में हुआ,लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि संबंधित अधिकारी को पदोन्नति मिलने की जानकारी सामने आई है, जिससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं।

फर्जी नियुक्तियों का मामला भी ठंडे बस्ते में...

इस पूरे प्रकरण में तीन फर्जी अनुकंपा नियुक्तियों का मामला भी शामिल है। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे और बाबू सुनील यादव पर गंभीर आरोप लगे हैं। बावजूद इसके,इस दिशा में अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं हुई है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि जांच को सीमित दायरे में रखकर बड़े जिम्मेदारों को बचाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने कहा कि यह मामला सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल पर आरोपियों को बचाने के प्रयास के आरोप लग रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक इस घोटाले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी का कहर...तापमान 43 पार,अगले तीन दिन और मुश्किल

रायपुर, 16 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर और बस्तर को छोड़कर अधिकांश इलाकों में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। बुधवार को रायपुर, माना और बिलासपुर में तापमान 42 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया, जबकि राजनांदगांव में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया।

गर्मी से बचाव के लिए लोग कर रहे जुगाड़

तेज धूप से बचने के लिए लोग मास्क और हेलमेट का सहारा लेते नजर आए। दोपहिया वाहन चालकों ने धूप से बचाव के लिए खास एहतियात बरते। शहरों में दोपहर के समय सड़कों पर भीड़ कम दिखाई दी।

गर्म हवाओं का बढ़ा असर

मौसम में बदलाव के साथ उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली गर्म हवाएं अब प्रदेश में तपिश बढ़ा रही हैं। पिछले 24 घंटों में तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई, लेकिन गर्मी का प्रभाव खासतौर पर शहरी क्षेत्रों में ज्यादा देखने को मिला।

अगले तीन दिन और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। इस दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की और वृद्धि हो सकती है।

44 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान

प्रदेश में बन रहे प्रति चक्रवातीय सिस्टम के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल महीने में रायपुर का तापमान 44 डिग्री तक पहुंच सकता है, जिससे गर्मी का असर और तेज होगा। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

550 करोड़ का छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन घोटाला...

पूरक चालान पेश...कुंजल शर्मा ने रिएजेंट्स की कई गुना ज्यादा कीमत भेजी,3 कंपनियों ने मिलकर की गड़बड़ी

रायपुर, 16 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने पूरक चालान पेश किया है। रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स के डायरेक्टर अभिषेक कौशल, श्री शारदा इंडस्ट्रीज के प्रोप्राइटर राकेश जैन, लाइजनर प्रिंस जैन और डायसिस इंडिया के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा के खिलाफ चालान पेश किया गया है। जांच में सामने आया है कि 'हमर लैब' योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में मेडिकल उपकरण और जांच सामग्री (रिएजेंट्स) खरीदने की प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई। टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए 3 कंपनियों ने आपस में मिलकर फर्जी दस्तावेज लगाए और प्रतिस्पर्धा को कम किया। बताया गया है कि कंपनियों ने अपनी योग्यता दिखाने के लिए गलत जानकारी दी और टेंडर में एक जैसे उत्पाद और दरें भरीं। जांच में यह भी पाया गया कि मेडिकल सामग्री की कीमत वास्तविक एमआरपी से कई गुना ज्यादा दिखाकर सरकार को भेजी गई। इसके कारण शासन को करीब 550 करोड़ रुपए का

नुकसान हुआ। इस मामले में अब तक 10 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया जा चुका है।

3 फर्मों ने सिंडिकेट बनाकर आर्थिक नुकसान किया : एंटी करप्शन ब्यूरोके अफसरों की जांच में सामने आया है, कि तीनों प्रमुख फर्मों मोक्षित कॉर्पोरेशन, रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स और श्री शारदा इंडस्ट्रीज ने मिलकर टेंडर में समान पैटर्न पर उत्पाद, पैक साइज और दरें भरीं। जांच में यह भी सामने आया कि जिन उत्पादों का स्पष्ट उल्लेख नहीं था,उन्हें भी एक जैसे तरीके से प्रस्तुत किया गया। सबसे कम दर मोक्षित कॉर्पोरेशन की रही, जिसके बाद अन्य फर्मों की दरें रखी गईं। इसके अलावा, डायसिस कंपनी के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने षड्यंत्रपूर्वक रिएजेंट्स और कंज्यूमेबल्स की कीमत वास्तविक MRP से कई गुना अधिक दिखाकर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन को भेजी। इसके चलते टेंडर में ज्यादा दरें स्वीकृत हो गईं और सरकार को लगभग 550 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

10 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश : अब तक इस मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया जा चुका है। ACB ने कहा है कि 'हमर लैब योजना' में हुए इस घोटाले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैसे सामने आया घोटाला

दरअसल, दिसंबर 2024 में पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री कार्यालय, केंद्रीय गृह मंत्रालय, सीबीआई और ईडी मुख्यालय में सीजी-एमएससी में हुए घोटाले की शिकायत की थी। उनकी शिकायत पर केंद्र सरकार ने ईओडब्ल्यू को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद ईओडब्ल्यू ने 5 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की।

सरकार ने गर्मी छुट्टी का किया ऐलान,20 अप्रैल से स्कूल बंद

रायपुर, 16 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में अप्रैल के महीने में गर्मी अब तेजी से अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों की परेशानी भी बढ़ती जा रही है। बढ़ते तापमान को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। साय सरकार ने बढ़ते गर्मी को देखते हुए स्कूलों में गर्मी की छुट्टी का ऐलान कर दिया है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग समेत प्रदेश के कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार जा चुका है। सूत्रों के अनुसार,स्कूलों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने की शिकायतों के बाद शासन ने यह कदम उठाया है। जारी आदेश के मुताबिक,अब 20 अप्रैल 2026 से 15 जून 2026 तक सभी कक्षाओं का संचालन पूरी तरह बंद रहेगा।

कोर्ट ने पटेल पद की नियुक्ति रद्द की,चुनाव कराने के निर्देश

अभनपुर, 16 अप्रैल 2026। ग्राम पंचायत बेंद्री में पटेल पद की नियुक्ति को लेकर उपजे विवाद पर न्यायालय अपर कलेक्टर,रायपुर ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए अपीलार्थी के पक्ष में फैसला सुनाया है। न्यायालय ने अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित पूर्व के आदेश को निरस्त करते हुए अपील को स्वीकार कर लिया है। बेंद्री ग्राम पंचायत में पटेल की नियुक्ति में छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के प्रावधानों का पालन ना करने और आवेदक को अनुचित लाभ पहुंचाने का ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत की थी। लेकिन अनुविभागीय अधिकारी ने 18 नवंबर को लक्ष्मीनाथ साहू की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया गया था। इस आदेश को अपीलार्थी देव कुमार साहू ने चुनौती दी थी। न्यायालय द्वारा अभिलेखों एवं प्रस्तुत तर्कों का गहन परीक्षण करने पर पाया कि पटेल नियुक्ति के लिए एक से अधिक पात्र अभ्यर्थियों की स्थिति में आवश्यक मतदान प्रक्रिया संपन्न नहीं की गई। ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर सीधे नियुक्ति की गई, जो विधि के विरुद्ध है। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जब एक से अधिक पात्र उम्मीदवार हों, तब संबंधित भू-स्वामियों की इच्छा के अनुसार मतदान या अन्य वैधानिक प्रक्रिया अपनाना आवश्यक है। केवल ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर नियुक्ति करना विधिसम्मत नहीं माना जा सकता। इन तथ्यों के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय का आदेश निरस्त कर पटेल नियुक्ति की संपूर्ण प्रक्रिया विधि अनुसार पुनः संपादित करने के लिए निर्देशित किया।

कवर्धा में कर्ज के दलदल ने ली जान कारोबारी ने सपरिवार पिया जहर,हालत गंभीर

कवर्धा, 16 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है, जहाँ करोड़ों रुपये के उधार की वसूली न होने से तंग आकर एक प्रतिष्ठित कारोबारी ने अपनी जीवनलीला समाप्त करने का प्रयास किया। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोहारा रोड स्थित भागो टोला के पास रहने वाले बिल्डिंग मटेरियल व्यापारी योगेश जैन ने अपनी पत्नी और दो बच्चों सहित जहर पी लिया। इस घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। वर्तमान में चारों की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है और वे एक निजी अस्पताल में वेंटिलेटर और चिकित्सा निगरानी में हैं। यह घटना 14 अप्रैल की मध्यरात्रि की है। करीब ढाई बजे योगेश जैन ने

अपने बड़े भाई लक्ष्मीचंद को फोन किया और जो कुछ कहा उसे सुनकर भाई के पैरों तले जमीन खिसक गई। योगेश ने बताया कि उसने अपनी पत्नी सुमन जैन (37), बेटे प्रिंस (17) और बेटी तारिका (16) को कीटनाशक पिला दिया है और खुद भी जहर का सेवन कर लिया है। सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में मौके पर पहुंचे और अचेत अवस्था में पड़े चारों सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस को अंदेशा है कि कारोबारी लंबे समय से भारी मानसिक दबाव में थे।

तीन पन्नों का सुसाइड नोट: 5 करोड़ की उधारी का दर्दनाक खुलासा : घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को योगेश जैन द्वारा लिखा गया तीन पन्नों का एक विस्तृत सुसाइड नोट मिला है। इस नोट में कारोबारी ने अपनी आर्थिक तबाही का पूरा कच्चा चिट्ठा लिखा है। नोट के अनुसार, योगेश को अलग-अलग देनदारों से करीब 4 से 5 करोड़ रुपये वसूलने थे। सबसे बड़ा जिक्र 'चार ट्रेडर्स' के नाम पर हुए लेनदेन का है, जिसमें वर्ष 2020 से 2025 के बीच लगभग 3.20 करोड़ रुपये दिए गए थे। यह राशि वापस न मिलने के कारण कारोबारी का व्यापार और मानसिक संतुलन पूरी तरह डगमगा गया था। सुसाइड नोट और परिजनों के बयानों के अनुसार, ग्राम रेंगाखुर्द निवासी एक व्यापारी समसुद्दीन का नाम प्रमुखता से उभर कर आया है।

पुलिस की गुंडागर्दी,प्रार्थी ने मांगी जांच रिपोर्ट,तो एएसआई ने बरसाए 20 तमाचे

बिलासपुर, 16 अप्रैल 2026। न्याय के मंदिर कहे जाने वाले थाने में ही एक प्रार्थी के साथ बेरहमी का मामला सामने आया है। जिले के रतनपुर थाने में अपनी शिकायत की जांच रिपोर्ट पूछने पहुँचे एक व्यक्ति को एएसआई की नाराजगी का सामना करना पड़ा। प्रार्थी ने जब अधिकारी से रिपोर्ट जल्दी देने का आग्रह किया, तो आपा खोते हुए एएसआई ने उसे 15 से 20 तमाचे जड़ दिए। इस घटना के बाद थाने में भारी हंगामा हुआ। बिलासपुर एसएसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषी एएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है।

वर्दी का रौब या मानसिक तनाव : घटना उस समय हुई जब प्रार्थी अपनी पुरानी शिकायत पर हुई प्रगति जानने रतनपुर थाने पहुँचा था। चश्मदीदों के मुताबिक, एएसआई किसी बात को लेकर पहले से ही उखड़े हुए थे। जैसे ही प्रार्थी ने अपनी फाइल के बारे में पूछा, अधिकारी ने उन पर हाथ साफ करना शुरू कर दिया। थाने के भीतर हुई इस मारपीट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों में इस व्यवहार को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इस घटना के बाद बिलासपुर पुलिस के भीतर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। अनुशासनहीनता के इस मामले ने विभाग की छवि को नुकसान पहुँचाया है। 20 थप्पड़ः प्रार्थी के अनुसार एएसआई ने उसे लगातार पीटा। पहली बार किसी एएसआई पर मारपीट के लिए अपने ही थाने में मामला दर्ज हुआ है। हंगामे के दौरान थाने में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव की कोशिश की।

छत्तीसगढ़ की कांग्रेस नेता फूलो देवी नेताम बनीं राज्यसभा उप सभापति

रायपुर, 16 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता फूलो देवी नेताम को राज्यसभा की उप सभापति पद पर मनोनीत किया गया है। यह दूसरा मौका है जब उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने फूलो देवी नेताम सहित कई सदस्यों को उप सभापति पद पर मनोनीत किया है। फूलो देवी नेताम के अलावा दिनेश शर्मा, एस.पी. कोंयाक,घनश्याम तिवाड़ी, एम. थंबी दुराई और संबित पात्रा को भी उप सभापति पद पर मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन राज्यसभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने और

सदन की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है। फूलो देवी नेताम छत्तीसगढ़ से दूसरी बार राज्यसभा सदस्य चुनी गई हैं और उनकी यह नियुक्ति राज्य की राजनीति में कांग्रेस के लिए भी एक महत्वपूर्ण विकास माना जा रहा है।

18 अप्रैल को प्रदेश के प्राइवेट स्कूल रहेंगे बंद
17 अप्रैल को काली पट्टी बांधकर करेंगे काम,आरटीआई प्रतिपूर्ति नहीं बढ़ने को लेकर है विरोध

रायपुर, 16 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत प्रतिपूर्ति राशि नहीं बढ़ाए जाने के विरोध में अपना असहयोग आंदोलन और तेज कर दिया है। एसोसिएशन ने 17 और 18 अप्रैल को बड़े फैसले लिए हैं, जिसके तहत 18 अप्रैल को प्रदेश के सभी निजी स्कूल पूरी तरह बंद रहेंगे। 14 अप्रैल को हुई प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में दो अहम निर्णय लिए गए। इसके अनुसार, 17 अप्रैल (शुक्रवार) को सभी स्कूल संचालक और शिक्षक काली पट्टी बांधकर काम करेंगे,जबकि 18 अप्रैल (शनिवार) को पूरे छत्तीसगढ़ में निजी स्कूल बंद रखे जाएंगे। एसोसिएशन ने यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री को पहले ही दे दी है। 1 मार्च 2026 से शुरू हुए असहयोग आंदोलन के तहत एसोसिएशन पहले ही फैसला कर चुका है कि स्कूल शिक्षा

विभाग द्वारा लॉटरी के माध्यम से चयनित वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को आरटीई के तहत प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एसोसिएशन का कहना है कि प्रतिपूर्ति राशि का पुनर्निर्धारण वर्ष 2011 से अब तक नहीं किया गया है, जिससे निजी स्कूलों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

प्रति छात्र खर्च सार्वजनिक करने की मांग : एसोसिएशन ने मांग की है कि स्कूल शिक्षा विभाग शासकीय स्कूलों में प्रति छात्र होने वाले वास्तविक खर्च को सार्वजनिक करे। इससे आरटीई के तहत निजी स्कूलों को मिलने वाली प्रतिपूर्ति राशि का सही निर्धारण हो सकेगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता और सचिव मोती जैन ने सरकार से जल्द इस मुद्दे का समाधान निकालने की अपील की है। निजी स्कूलों का तर्क है कि वर्तमान में मिल रही प्रतिपूर्ति राशि वास्तविक खर्च को पूरा नहीं करती। उन्होंने कहा कि आरटीई के तहत गरीब बच्चों की शिक्षा देना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन बिना उचित मुआवजे के यह बोझ उठाना मुश्किल होता जा रहा है। यह आंदोलन छत्तीसगढ़ में हजारों निजी स्कूलों और लाखों छात्रों को प्रभावित कर रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)